राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,24 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 181 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## महाराष्ट्र नहीं अब भारत के इस राज्य में आ रहे कोरोना के सबसे ज्यादा केस

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार अभी थमी नहीं है। एक समय था जब देश में सबसे ज्यादा कोरोना मामले महाराष्ट्र से सामने आ रहे थे लेकिन अब एक दूसरा राज्य कोरोना की लहर से जूझ रहा है। भारत का दक्षिण राज्य केरल इस वक्त कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा जूझ रहा है। केरल में इसका तांडव लगातार बढ़ रहा है। यहां अब हर दिन नए मामलों की संख्या 10 हजार से ज्यादा आ रही है। केरल में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है और इसका अंदाजा सिर्फ इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य में संक्रमण की दर कई हफ्तों से दस फीसदी के आस पास थी, जो अब बढ़कर 11.08 प्रतिशत हो गई है।

**कुल कोरोना मामलों में केरल का 10 फीसद से ज्यादा हिस्सा**-देश के करीब 10.18 फीसदी संक्रमण के मामले अकेले केरल राज्य से हैं। देश के बाकी राज्यों की तुलना में केरल में इस समय कोरोना पॉजिटिविटी दर देश में सबसे ज़्यादा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, केरल में बीते 24 घंटे में 14,,131 नए मामले आए हैं। इस दौरान 105 मौतें हुई हैं। केरल में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 32 लाख से अधिक है। जबकि पूरे देश में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 3 करोड़ 12 लाख 93 हजार 62 है। यानि 10 फीसद से ज्यादा संक्रमण के मामले अकेले केरल से हैं। देश के बाकी राज्यों की तुलना में केरल में इस समय कोरोना पॉजिटिविटी दर देश में सबसे ज़्यादा है।

**केरल में लगाया गया है लॉकडाउन**-राज्य में बढ़ते मामलों को देखते हुए फिर संपूर्ण लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। हालांकि संपूर्ण लॉकडाउन सिर्फ शनिवार 24 और रविवार 25 जुलाई को रखा गया है। केरल सरकार की तरफ से जारी गाइडलाइंस के अनुसार, 24 और 24 जुलाई को 12 और 13 जून 2021 को जारी दिशा निर्देशों के साथ पूर्ण लॉकडाउन रहेगा।

### खत्म हुई तल्खी

# कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिले नवजोत सिद्धू, पंजाब भवन में चाय पीने से पहले छुए पैर

**चंडीगढ़।** पंजाब प्रदेश कांग्रेस के नए प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू के पदभार संभालने से पहले शुक्रवार को पार्टी में मची कलह खत्म नजर आई। सुबह सिद्धू पटियाला से चंडीगढ़ पंजाब भवन पहुंचे। थोड़ी देर में कैप्टन अमरिंदर सिंह भी पंजाब भवन पहुंच गए। हालांकि सिद्धू कैप्टन से मिले बिना पंजाब कांग्रेस भवन रवाना हो गए। थोड़ी ही देर में उन्हें पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत का फोन आया जिसके बाद वे दोबारा पंजाब भवन पहुंचे। यहां उन्होंने कैप्टन से मुलाकात की और उनके पैर छुए। इसके बाद दोनों ने रावत और मंत्री-विधायकों के साथ चाय पी। चाय पार्टी के बाद सभी लोग सिद्धू की ताजपोशी के लिए पंजाब कांग्रेस भवन रवाना हो गए।

सारे मनमुटाव को नजरअंदाज करते हुए गुरुवार को मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सिद्धू के ताजपोशी समारोह में हिस्सा लेने पर सहमति जता दी थी। हालांकि सिद्धू ने अब तक कैप्टन की मांग के अनुसार उनसे माफी नहीं मांगी है। लेकिन माना जा रहा है कि पार्टी आलाकमान के निर्देश के बाद कैप्टन इस समारोह का हिस्सा बनने को तैयार हुए हैं।

सिद्धू के अलावा पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी प्रधान कुलजीत सिंह नागरा, सुखविंदर सिंह डैनी, संगत सिंह गिलजियां और पवन गर्ग भी अपना पदभार संभालेंगे। सभी कांग्रेस विधायकों को निर्देश दिया गया है कि पदभार ग्रहण समारोह को यादगार बनाने के लिए अपने हलकों से कम से कम 1000 पार्टी कार्यकर्ताओं को भी चंडीगढ़ लेकर आएं। इस तरह प्रदेश कांग्रेस का इरादा 50,000 पार्टी कार्यकर्ताओं को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में एकत्र करने का है। लेकिन इस समय चंडीगढ़ में धारा 144 लागू है और इतनी बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने की यूटी पुलिस ने मंजूरी नहीं दी है। अब यह यूटी पुलिस तय करेगी कि कांग्रेस भवन में कितने लोगों को एकत्र होने की अनुमति दी जाए।

**सिद्धू के अलावा पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी प्रधान कुलजीत सिंह नागरा, सुखविंदर सिंह डैनी, संगत सिंह गिलजियां और पवन गर्ग भी अपना पदभार संभालेंगे। समारोह में पंजाब प्रभारी हरीश रावत समेत सुनील जाखड़ और पार्टी के सभी विधायक, मंत्री व सांसद भी मौजूद रहेंगे।**

### पेगागस फोन हैकिंग

# हमलावर हुए राहुल गांधी, कहा- अमित शाह और पीएम मोदी ने किया है 'देशद्रोह'

**नई दिल्ली।** इसराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ द्वारा तैयार पेगासस स्पाईवेयर भारत में इन दिनों खूब चर्चा में हैं। दरअसल भारत में इसके जरिए कई पत्रकारों और चर्चित हस्तियों के फ़ोन की जासूसी करने का दावा किया जा रहा है। मामले के सामने आने के बाद भारत में सियासी तूफान खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसको लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा- पेगासस को इजरायली राज्य द्वारा एक हथियार के रूप में वर्गीकृत किया गया है और माना जाता है कि उस हथियार का इस्तेमाल आतंकवादियों के खिलाफ किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने इसका इस्तेमाल भारतीय राज्य और हमारी संस्थाओं के खिलाफ किया है।

**'इसके लिए एक शब्द देशद्रोह'**-राहुल ने आगे कहा - 'पेगासस को राजनीतिक रूप से इस्तेमाल किया है, इन लोगों ने कर्नाटक में इसका इस्तेमाल किया है, इन्होंने इसका इस्तेमाल जांचों को रोकने के लिए किया है, इन्होंने इसका इस्तेमाल सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ किया है, इन्होंने इसका इस्तेमाल इस देश के सभी संस्थानों के खिलाफ

किया है। इसके लिए एकमात्र शब्द देशद्रोह है। इसके लिए कोई दूसरा शब्द नहीं है। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए और गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।'

# मुंबई और आसपास के जिलों में आफत की बारिश, गोवंडी में इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत

**मुंबई।** मुंबई के शिवाजी नगर स्थित गोवंडी में सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं 10 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना परराहत और बचाव टीम मौके पर पहुंच चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है।

**मुंबई में भारी बारिश बनी मुसीबत**

बता दें कि, मुंबई और आसपास के इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते जनजीवन ठप हो गया है। बारिश की वजह से कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन की ओर से

पानी निकालने का काम जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 24 और 25 जुलाई के लिए यहां यलो अलर्ट जारी करते हुए कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। भारी बारिश के चलते पुणे और रायगढ़ में लैंडस्लाइड की खबरें भी सामने आई हैं।

**लगातार बारिश से बाढ़ के बने हालात**

लगातार हो रही बारिश के चलते महाराष्ट्र के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। रायगढ़, रत्नागिरी और कोल्हापुर जिलों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। सतारा, सांगली और कोल्हापुर जिलों में एनडीआरएफ की इकाइयों को तैनात किया गया है। बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए गुरुवार रात से सेना और नौसेना को उतारा गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने फोन पर बात कर बाढ़ के हालात का जायजा लिया।

**बारिश के चलते ट्रेनें रद्द**

मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार से ही महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश के चलते हालात खतरनाक बने हुए हैं। कोंकण रेलवे और सेंट्रल रेलवे ने अपनी कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है तो कुछ ट्रेनों का रूट भी डाइवर्ट किया गया है।

## महाकाल मंदिर के पास खोदाई स्थल से निकली अस्थियां, जांच के बाद पता चलेगा अस्थियां मनुष्य की हैं या पशु की

**उज्जैन।** मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर के समीप पुरातत्व विभाग की निगरानी में चल रही खोदाई के मलबे से गुरुवार को अस्थियों के टुकड़े मिले हैं। शोध अधिकारी का कहना है कि अस्थियां मनुष्य की हैं या पशु की, यह जांच के बाद पता चलेगा। बता दें कि मध्य प्रदेश शासन व महाकाल मंदिर समिति द्वारा मंदिर के आसपास करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण व विस्तार कार्य कराया जा रहा है। इसी के तहत की जा रही खोदाई में बीते दिनों करीब एक हजार साल पुराना मंदिर तथा भग्नावशेष प्राप्त हुए हैं। गुरुवार को ये अस्थियां प्राप्त हुई हैं।

**अब तक मिले स्तंभ, मूर्तियां व मंदिर**-मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर से जुड़ा वैभवशाली इतिहास सहेजने का काम कर रहा है। इसी के तहत अब तक हुई खोदाई में कई ऐतिहासिक चीजें मिल चुकी हैं। इनमें मंदिर के जकती (स्तंभ खड़े करने का मुख्य आधार), स्तंभ, मंजरी, छत का हिस्सा, मूर्तियां आदि प्राप्त हो चुके हैं। पुरातत्व विभाग के आयुक्त शिवशेखर शुक्ला के निर्देश पर पुराविद् डा. रमेश यादव के साथ खोदाई स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे शोध अधिकारियों को शुरुआत में शुंग व कुषाण काल के पात्र अवशेष भी प्राप्त हुए थे। पुराविदों ने इनका काल करीब दो हजार साल पुराना बताया था।

**आक्रांताओं के आतंक की ओर इशारा कर रहीं अस्थियां**-अस्थियां मिलने की सूचना पर परमहंस संत डा. अवधेशपुरीजी महाराज भी खोदाई स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि करीब 500 वर्ष पहले आक्रांताओं ने हिंदू मंदिरों का बड़े पैमाने पर विध्वंस किया था। उस समय वर्ग संघर्ष की स्थिति अवश्य निर्मित हुई होगी। भग्न मंदिर के आसपास अस्थियों का मिलना इस ओर इशारा करता है। यह स्थान साधु-संतों की तप स्थली भी रहा है। मंदिर में महानिर्वाणी अखाड़ा होने से यहां साधु-संतों की समाधि भी रही होंगी। इन अस्थियों की जांच करानी चाहिए, ताकि प्राचीन इतिहास का एक और पन्ना सामने आ सके।

# केंद्र के ही अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से मरने वालों का रिकॉर्ड नहीं

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी से एक भी मौत न होने का मामला राज्य सरकारों पर छोड़ दिया है। सदन में कहा गया कि राज्यों से इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है लेकिन मरने वालों की संख्या केंद्र सरकार के अधीन देश के बड़े सरकारी चिकित्सीय संस्थानों के पास भी नहीं है। आरटीआई से पता चला कि इन अस्पतालों ने ऑक्सीजन की कमी या फिर पर्याप्त बिस्तर न होने से साफ इनकार तक कर दिया। इन अस्पतालों में एम्स दिल्ली, एम्स भुवनेश्वर, एम्स भोपाल, एम्स रायपुर, एम्स पटना और एम्स जोधपुर भी शामिल हैं। इनके अलावा चंडीगढ़ पीजीआई, सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल,

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) और शिलांग स्थित पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय एवं आयुर्विज्ञान संस्थान भी हैं जो केंद्र सरकार के अधीन हैं और इनके यहां ऑक्सीजन की कमी या फिर बिस्तरों की संख्या कम पड़ने की वजह से किसी मरीज की मौत होने की जानकारी नहीं है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर का पीक निकलने के बाद उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी अनिकेत गौरव ने जब केंद्र सरकार के देश भर में मौजूद चिकित्सीय संस्थान और दिल्ली सरकार व उसके पांच बड़े अस्पतालों से यह जानकारी मांगी तो सभी अस्पतालों ने जानकारी दी है कि उनके पास ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत होने, वेंटिलेटर की कमी से किसी की जान जाने या फिर अस्पताल में बिस्तर कम पड़ने का कोई लिखित ब्यौरा मौजूद नहीं है। अनिकेत गौरव का कहना है कि इस आरटीआई के बाद यह स्पष्ट है कि न सिर्फ राज्य, बल्कि केंद्र सरकार ने भी ऑक्सीजन की कमी या फिर स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के चलते मरने वालों की रिपोर्टिंग को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किया था।

कोरोना महामारी की शुरुआत से केंद्र सरकार के नेशनल सेंटर फॉर डिजीस कंट्रोल (एनसीडीसी) हर राज्य के हालात और वहां के सभी आंकड़े एकत्रित करने की जिम्मेदारी संभाल रहा है। जांच, मरीज, संदिग्ध, मौत, कंटेनमेंट जोन, मृत्युदर, होम आइसोलेशन इत्यादि जानकारी उनके पास मौजूद है लेकिन आरटीआई में एनसीडीसी ने ऑक्सीजन या संसाधनों की कमी के चलते मौत को शामिल नहीं किया है।

# आतंकी साजिश नाकाम:जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने मार गिराया ड्रोन, पांच किलो आईईडी बरामद

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के कनाचक इलाके में पुलिस ने एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है। इस ड्रोन से पांच किलो आईईडी भी बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि ड्रोन को भारतीय सीमा के छह किलोमीटर अंदर मार गिराया गया है।

बीते कई दिनों से भारतीय सीमा में ड्रोन देखे जा रहे हैं। इन्हें सीमा पार से भेजा जा रहा है। खुफिया एजेंसियां पहले ही अंदेशा जता चुकी हैं कि आतंकी ड्रोन के जरिए किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। सुरक्षाबलों ने भी इस चुनौती से निपटने के लिए रणनीति बनाई है और माना जा रहै कि हा यह ड्रोन जिसे मार गिराया गया ये उसी का नतीजा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जम्मू क्षेत्र मुकेश सिंह ने कहा कि पुलिस को एक विशिष्ट इनपुट मिला था कि आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद अखनूर के पास एक ड्रोन के माध्यम से एक पेलोड गिराने की योजना बना रहा है। सिंह ने कहा रात करीब 1 बजे पुलिस ने ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा कि पैक्ड आईईडी को गिराने के बाद किसी के द्वारा उठाया जाना था। हमने संदिग्ध का इंतजार किया लेकिन कोई नहीं आया। यह आईईडी किसी स्थान पर प्लांट की जानी थी। जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया है। इसे चीन और ताइवान के पुर्जों से बनाया गया है।

सिंह ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ड्रोन के जरिए भेजे गईं 16 एके-47 राइफल, तीन एम-4 राइफल, 34 पिस्टल और 18 आईईडी बरामद हुई हैं। एक दो ड्रोन ऐसे थे जिनके जरिए पैसा भेजा गया, जिससे 4 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ड्रोन के जरिए जम्मू और कश्मीर संभाग में धमाका और हथियार गिराने की साजिशें रच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के पास एटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। साथ ही 15 अगस्त पर किसी प्रकार की अनहोनी न हो इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ड्रोन की आज की बरामदगी और हाल ही में जम्मू वायु सेना स्टेशन पर हमले के बीच कोई संबंध है, सिंह ने कहा कि आज के ड्रोन में बरामद धागे वही थे। आगे की जांच जारी है। ऐसा लगता है कि जैश-ए-मोहम्मद ने एक ही सीरीज के कई ड्रोन इकट्ठे किए हैं। अखनूर में पहले बरामद किए गए एक ड्रोन और आज के ड्रोन के सीरियल नंबर में सिर्फ एक अंक का अंतर है।

**सोपोर में दो आतंकी ढेर, ड्रोन के पीछे लश्कर-ए-तैयबा की साजिश**

बारामुला जिले के सोपोर के वारपोरा में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ में दो दहशतगर्दों को मार गिराया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बाकी आतंकियों की तलाश जारी है। मुठभेड़ कल (गुरुवार) रात से चल रही है।

**ड्रोन से भारतीय वायुसेना स्टेशन को बनाया जा चुका है निशाना**-27 जून को भारतीय वायुसेना स्टेशन पर आतंकियों ने ड्रोन के जरिए विस्फोटक गिराकर हमला किया था। इस हमले में दो लोगों को हल्की चोटें आई थीं। इस हमले के बाद से ही घाटी में पुलिस लेकर सेना तक अलर्ट है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ड्रोन पर उभरते खतरे को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई थी। सुरक्षा एजेंसियों ने अंदेशा जताया है कि इस ड्रोन साजिश के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है। आतंकी 27 जून के जैसे किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। आतंकियों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल लगातार किए जाने पर पुलिस महकमा चिंतित है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा की रणनीति दोबारा बनाने के लिए कहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## जंतर-मंतर पर किसान

तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले करीब आठ महीनों से जारी किसानों का संघर्ष जंतर-मंतर पर पहुंच गया है। अभी संसद का मानसून सत्र चल रहा है, ऐसे में देश की सर्वोच्च पंचायत से थोड़ी दूरी पर किसान संसद के आयोजन का उद्देश्य स्पष्ट है। सरकार पर दबाव बनाने के साथ-साथ किसान प्रतिनिधि देश को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रख रहे हैं। कहीं न कहीं यह उस छवि का परिमार्जन भी है, जो लाल किले कांड से इस आंदोलन की कभी बनी थी। किसान नेताओं का कहना है कि जब तक संसद चलेगी, उतने दिन वे सुबह 11 से शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर पर अपनी पंचायत का आयोजन करेंगे। अच्छी बात यह है कि किसी टकराव से बचते हुए दिल्ली पुलिस ने भी किसानों को सीमित संख्या में अपना कार्यक्रम करने की इजाजत दे दी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के नागरिक अधिकार की गारंटी वह बुनियादी कसौटी है, जिस पर उस देश की सांविधानिक-नागरिक संस्थाओं की ही नहीं, पूरी दुनिया की नजर होती है। इस कसौटी पर भारतीय लोकतंत्र खरा उतरा है। पर बड़ा सवाल यह है कि सरकार और आंदोलनकारी किसान संगठनों के बीच कायम गतिरोध आखिर कब टूटेगा? दोनों पक्षों में संवादहीनता की स्थिति महीनों से बनी हुई है। हालांकि, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कल कहा कि 'किसानों को कृषि कानूनों के जिस भी प्रावधान में आपत्ति है, वे हमें बताएं। सरकार आज भी खुले मन से किसानों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है।' निस्संदेह, बातचीत से ही समाधान निकलता है, और कृषि मंत्री ने अपने तईं एक मुनासिब रुख दिखाया, लेकिन मंत्रिमंडल में उनकी ही एक सहयोगी ने कल ही किसानों के लिए जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह बातचीत की राह में रुकावट डालने वाली थी। देश आज कितनी गंभीर चुनौतियों के मुहाने पर है, इसका एहसास सड़क पर बैठे किसानों से अधिक सरकार में बैठे लोगों को होगा। होना चाहिए। महामारी के इस मुश्किल वक्त में देश की अर्थव्यवस्था को सहारा देने में कृषि क्षेत्र की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। फिर मौजूदा राजनीतिक हालात में किसानों से टकराव सत्तारूढ़ गठबंधन के हित में भी नहीं। चंद महीनों बाद ही, मजबूत किसान राजनीति वाले उत्तर प्रदेश, पंजाब व उत्तराखंड जैसे सूबे के लोग नई विधानसभा चुनने के लिए कतार में खड़े होंगे। ऐसे में, सत्ताधारी लोगों को विशेष संयम बरतनी पड़ेगी। किसान संगठन बखूबी जानते हैं कि इन चुनावों के बाद सरकार पर दबाव बनाना आसान नहीं होगा, इसलिए उन्होंने सितंबर महीने से चुनावी प्रदेशों में कार्यक्रमों की घोषणा कर अपना मनसूबा साफ कर दिया है। बहरहाल, दोनों पक्षों को व्यावहारिक रुख अपनाते हुए इस गतिरोध को तोड़ना चाहिए। किसानों को भी यह समझना होगा कि कोई आंदोलन अनवरत नहीं चल सकता। अब तक गैर-राजनीतिक प्रकृति के कारण आंदोलन के प्रति जो आम जन-धारणा रही है, वह अगले चुनावों में उसकी किसी सियासी पक्षधरता से खंडित होगी। इसलिए उसके उद्देश्य की शुचिता भी इसी में है कि किसान बातचीत के जरिये अपने हितों की गारंटी सरकार से हासिल करें। देश का हित न किसानों से अलग है और न किसानों का हित देशहित से परे जा सकता है।

# गुरु पूर्णिमा का महत्व

(लेखिका- डॉ. शारदा मेहता)

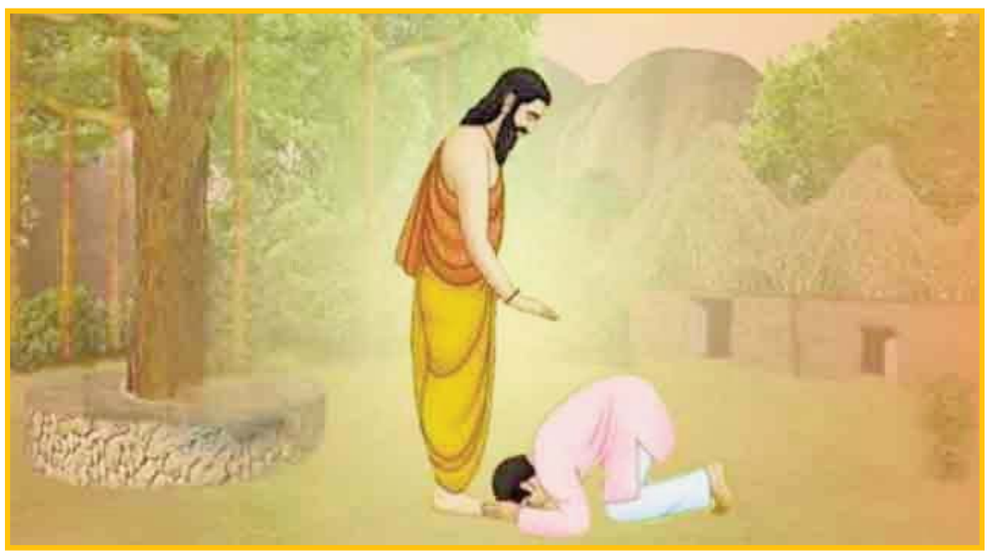

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानांजन शलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

अर्थात् जिसने ज्ञानरूपी शलाका (सलाई) से अज्ञानरूपी अन्धकार के कारण बन्द, आँखों को खोल दिया उन गुरुओं को नमस्कार है।

भारतीय पंचांग में पूर्णिमा प्रति माह आती है, परन्तु आषाढ़ मास की पूर्णिमा का हमारी सनातन संस्कृति में विशेष महत्व है। इसे गुरुपूर्णिमा की संज्ञा दी गई है। इस दिन जगत् गुरु वेदव्यास जो साक्षात् नारायण के स्वरूप हैं के प्राकट्य का उत्सव है। वे सर्वदा अजर-अमर हैं। उनकी गणना अष्ट चिरंजीवियों में की जाती है-

अश्वत्थामा बर्लिव्यासो हनूमांश्च विभीषणः।
कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरजीविनः।।
सप्तैतान संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेय तथाष्टमम्।
जीवेद्वर्षशतं सोपि सर्वव्याधि विवर्जितः।।

अर्थात् अश्वत्थामा, बलि, वेदव्यासजी, श्रीहनुमानजी, रावण के भाई विभीषण, राजगुरु कृपाचार्य, परशुरामजी, श्रीमार्कण्डेयजी इन अष्टमहापुरुषों का प्रतिदिन स्मरण करने से सभी व्याधियाँ समाप्त हो जाती हैं। ये सभी महापुरुष चिरंजीवी हैं और अद्यपर्यन्त पृथ्वी पर विचरण कर रहे हैं। इनके स्मरण से भक्त की आयु शताधिक होती है। उच्च कुलगुरुओं के कुल में इनका अवतरण हुआ था। व्यासजी वसिष्ठजी के प्रपोत्र, शक्ति ऋषि के पौत्र, पाराशरजी के पुत्र तथा शुकदेव जी के पिता हैं। पुराणों के कथनानुसार इनका अवतरण यमुना के द्वीपों में हुआ इसलिए इन्हें द्वैपायन भी कहा जाता है। ये श्याम वर्ण के थे इसलिए इन्हें कृष्णद्वैपायन संज्ञा दी गई। श्रीशंकराचार्य, श्रीगोविन्दाचार्य तथा श्रीगौड़पादाचार्य आदि महान् विभूतियों के व्यासजी गुरु रहे हैं। इन्होंने ही प्रसिद्ध ग्रंथ महाभारत की रचना की है। श्रीगणेशजी ने महाभारत के लेखन का कार्य किया है। वेदव्यासजी अनवरत बोलते जाते थे और श्रीगणेशजी बिना रुकावट लिखते जाते थे। यह विश्वप्रसिद्ध ग्रन्थ तीन वर्ष से भी अधिक समय में पूर्ण हुआ। इसके अतिरिक्त व्यासजी ने पुराण, उपपुराण, इतिहास, व्यास स्मृति, ब्रह्मसूत्र, योगदर्शन, धर्मशास्त्र आदि अनेक ग्रंथों का प्रणयन किया है। विद्वानों का कथन है, व्यासोच्छिष्टं जगत् सर्वम्। व्यासजी ने जिन विषयों पर लेखन कार्य किया है, वह अन्यत्र उपलब्ध नहीं है। व्यासजी का कथन सर्वत्र अकाट्य है।

धर्म तत्व के विषय में जो लिखा गया है, वह व्यासजी की लेखनी का ही चमत्कार है। आचार संहिता, धर्मशास्त्र, षोड़श संस्कार, स्मृति वाङ्मय, ब्रह्मचर्य नियम, विवाह विधि, कन्या के लक्षण, गृहस्थ धर्म, ब्राह्मण के नियम आदि अनेकादि अनेक विषय पर व्यासजी की रचनाएँ उपलब्ध हैं। व्यासजी द्वारा दान पर लिखा गया ग्रन्थ अत्यन्त दिव्य है और सुज्ञ पाठकों के लिए प्रेरणादायी है। व्यासजी का कथन है धन को बढ़ाकर रखने से अच्छा है उसका कुछ भाग दान किया जाए। शरीर नश्वर है, अतः धर्म की वृद्धि करो धन की नहीं। मानव जीवन के दैनिक कार्यों का भी उन्होंने विश्लेषण किया है।

व्यासजी हमारे अनेक शताब्दियों पूर्व के पूर्वजों के गुरु हैं और आज भी अपने परम गुरुपद पर प्रतिष्ठित हैं। उन्हीं के सम्मान में भारत की वर्तमान पीढ़ी पूर्णिमा के पावन दिवस पर व्यासपीठ का सम्मान पूजन करती है। अपने गुरुजनों, माता-पिता तथा वृद्धजनों का पाद पूजन कर उन्हें श्रीफल, कण्ठमाला अर्पित कर उनसे अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए अशीर्वाद ग्रहण करती है और भावी पीढ़ी को भी इस बात का संदेश देती है कि गुरु पूजन जैसे इस पावन पर्व को हम श्रद्धा भक्ति से मनाकर अपने जीवन को सार्थक करें। निम्नांकित पंक्तियाँ यहाँ उद्धृत करना समीचीन है-

तं नमामि महेशानं मुनिं धर्म विदां वरम्।
श्यामं जटाकलापेन शोभमानं शुभाननं।।
मुनीन् सूर्य प्रभान् धर्मान् पाठयन्तम् सुअर्चनम्।
नानापुराण कर्तारं वेदव्यासं महाप्रभम्।।
(बृहद्धर्म पुराण 1/1/24-25)

अर्थात् जो धर्म के निगूढ़ तत्व को जानने वालों में सर्वश्रेष्ठ हैं, जिनका वर्ण श्याम है और जिनका मंगलकारी मुखमंडल जटाजूट से सुशोभित है तथा जो सूर्य के समान प्रभा वाले मुनियों को धर्म शास्त्र का पाठ पढ़ाने वाले हैं, ज्योतिर्मय हैं, अत्यन्त कान्तिमान हैं, सभी पुराणों उपपुराणों के रचयिता हैं उन महेशान वेदव्यासजी को बारंबार नमस्कार है।

गुरु पूर्णिमा हमारे शिक्षकों और आध्यात्मिक गुरुओं को स्मरण करने और उनके द्वारा सिखलाए गए सन्मार्ग पर चलकर आत्मोन्नति करने का पर्व है। यह भारत के साथ ही नेपाल, भूटान आदि देशों में भी गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता, आदर और सम्मान प्रकट करने हेतु मनाया जाता है। भारत के लगभग सभी धर्मावलम्बी व्यक्ति इस पूर्णिमा को गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह करते हुए गुरु पूजन करते हैं। अनेक परिवारों में गुरु पूर्णिमा के दिन भैरव पूजन किया जाता है। यह भी गुरु पूजन का ही एक स्वरूप है। कबीरदासजी गुरु के स्वभाव के बारे में कहते हैं-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढि गढि कोठे खोट।
अन्तर हाथ सहार दे, बाहर बाहै चोंट।।
(कबीर वाणी)

अर्थात् कुम्हार जिस प्रकार अनगढ़ मिट्टी को तराशकर उसे सुन्दर घड़े की शक्ल प्रदान करता है। उसे बाहर से चोट मारकर आकृति प्रदान करता है और अंदर से थपथपाकर उसे सहारा देते जाता है उसी प्रकार गुरु भी शिष्य को हृदय से प्यार करता है, परन्तु बाहर से कठोर शब्दों का प्रयोग कर उसकी कमियों को दूर कर उसे एक अच्छा विद्यार्थी, एक सभ्य नागरिक बनाता है।

मध्यप्रदेश का उज्जैन शहर योगेश्वर श्रीकृष्ण की विद्यास्थली रहा है। यहां मंगलनाथ रोड पर स्थित सांदीपनि आश्रम इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यहाँ श्रीकृष्णजी ने बलराम, सुदामा आदि मित्रों के साथ सम्पूर्ण कलाओं की शिक्षा प्राप्त की थी और सभी विधाओं में पारंगत हुए थे। प्रतिवर्ष यहां गुरु पूर्णिमा पर गुरु शिष्य परम्पराओं का निर्वहन करते हुए व्यास-पीठ पर विधिपूर्वक गुरुपूजन किया जाता है। उज्जैन सांदीपनि आश्रम समिति तथा उज्जैन जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारीगण इस कार्यक्रम की सहभागिता करते हैं। इस वर्ष यहां पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। प्रतिष्ठित तथा वरिष्ठ शिक्षकों को भी सम्मान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। पद्मभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास परिवार सांदीपनि गुरु के वंशज हैं। इनके परिवार से भी सदस्य यहां उपस्थित होकर पूजा अर्चना में सम्मिलित होते हैं। उनका यहाँ प्राचीन मंदिर भी है। उज्जैन नगर में प्राचीन बृहस्पति मंदिर भी है जो शहर के मध्य गोंदा की चौकी के समीप स्थित है। यहाँ भक्त जन गुरु महाराज के दर्शन करने बड़ी संख्या में प्रतिदिन आते हैं। गुरुवार के दिन यहां विशेष भीड़ रहती है। यह प्राचीन मन्दिर अत्यधिक चमत्कारिक है। हम भी निम्नलिखित श्लोक से श्री गुरु महाराज का वंदन करें-

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचन सन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।

महाकाल परिसर में श्री गुरु महाराज बृहस्तेश्वर मंदिर स्थित है।

स्कंद पुराण में गुरु की महत्ता के विषय में कहा गया है-

गुरौ तुष्टे च तुष्टाः स्युर्देवाः सर्वे सवासवाः।
गुरौ रुष्टे च रुष्टाः स्युर्देवाः सर्वे सवासवाः।।
(स्कंद पु.वै.ख. कार्ति.मा. 2.3)

गुरु के प्रसन्न होने पर इन्द्र सहित सभी देवता प्रसन्न हो जाते हैं। गुरु के रुष्ट हो जाने पर इन्द्र सहित सभी देवता रुष्ट हो जाते हैं।

## 'आज के ट्वीट

### प्राथमिकता

**वीडियो कॉन्फ्रेंस से चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य है जो सभी जिलों में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों का काम समय पर पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। -- मु. अशोक गहलोत**

ज्ञान गंगा

## शाकाहार

जग्गी वासुदेव

आप के शरीर के अंदर जो खाना जा रहा है, उसके गुणों की बात करें तो आप के शरीर के लिए निश्चित रूप से मांसाहारी भोजन की अपेक्षा शाकाहारी भोजन बेहतर है। हम इसको किसी नैतिकता के पैमाने से नहीं देख रहे। सिर्फ इस दृष्टि से देख रहे हैं कि हमारी शारीरिक व्यवस्था के लिए क्या अनुकूल है-हम वो चीजें खाना चाहेंगे जो हमारे शरीर को आराम में रखें। आप अपना कारोबार सही ढंग से करना चाहते हों, या पढ़ाई, या अन्य कोई गतिविधि करना चाहें, तो यह बहुत जरूरी है कि आपका शरीर आरामदायक अवस्था में हो। तो हमें उस प्रकार का भोजन करना चाहिए जिससे शरीर आराम में रहे और उसे भोजन से पोषण लेने में संघर्ष ना करना पड़े। थोड़ा प्रयोग कीजिए और देखिए कि आप शाकाहारी भोजन को जब उसके जीवित रूप में लेते हैं, तो यह कितना अंतर ला देता है! आईडिया यह है कि हम जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा भोजन उसके जीवित रूप में लें- जो भी उसके जीवित रूप में खाया जा सकता है वह वैसे ही खाया जाना चाहिए। एक जीवित कोशिका में वह सब है जो जीवन को बनाए रखने के लिए जरूरी है। जब आप एक जीवित कोशिका को खाते हैं तो देखेंगे कि आपके शरीर का स्वास्थ्य, अब तक आपने जो कुछ जाना है, उससे बहुत अलग प्रकार का होगा। जब हम भोजन को पकाते हैं तो उसका जीवन नष्ट हो जाता है, और उसके जीवन को नष्ट करने के बाद उसे खाने से आपके शरीर को उतनी जीवन ऊर्जा नहीं मिलती। पर जब आप जीवित भोजन को खाते हैं तो यह आपमें एक नये प्रकार की जीवंतता ला देता है। अगर आप बहुत सारा अंकुरित अनाज, फल और जो भी सब्जियां जीवित रूप में खायी जा सकें, ऐसा कम से कम 30 से 40त्न भोजन लेते हैं-तो आप देखेंगे कि यह आपके जीवन को बहुत अच्छी तरह से रखेगा। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आप जो भी भोजन खाते हैं, वह स्वयं में जीवन है। तो वे अपने जीवन का बलिदान कर रहे हैं, जिससे हमारा जीवन बना रहे। यदि हम उन सभी जीवनों के प्रति अत्यंत कृतज्ञता के भाव के साथ उन्हें ग्रहण करते हैं- क्योंकि हमारा जीवन बनाए रखने के लिए, वे अपने जीवन का बलिदान कर रहे हैं-तो आप के अंदर यही भोजन बिल्कुल अलग ढंग से व्यवहार करेगा।

# आज का राशिफल

**मेष** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**वृषभ** पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**मिथुन** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

**कर्क** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

**कन्या** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**तुला** राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृश्चिक** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**मकर** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

**कुम्भ** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

# भ्रष्टाचार व कुप्रबंधन के चलते बारिश में डूबता 'न्यू इंडिया'

- निर्मल रानी

भीषण गर्मी से त्राहिमाम कर रहे पश्चिमी उत्तर भारत लोगों ने मानसून की आमद से निश्चित रूप से काफ़ी राहत महसूस की है। परन्तु मानसून की अभी आमद ही हुई है कि ख़ास तौर पर शहरी क्षेत्रों में जलभराव के दृश्य सामने आने लगे हैं। जिन लोगों का कारोबार लॉक डाउन के भयावह दौर से बाहर निकलने की बमुश्किल कोशिश कर रहा था, अनेकानेक शहरों व बस्तियों यहाँ तक कि नये बसाये गये कथित 'हाई फ़ाई ' सेक्टर्स में भी सड़कों से लेकर घरों तक में पानी भर जाने के चलते एक बार फिर लगभग ठप्प हो गया है। कहीं दुकानों में पानी भरा है तो कहीं जलभराव की वजह से ग्राहक नदारद। कहीं ग्राहक व दुकानदार दोनों ही अपने घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे। कहना ग़लत नहीं होगा कि जितना अधिक विकास कार्य जितना सड़कों पुलों,नालों नालियों आदि का नवनिर्माण व सुधारीकरण का काम दिखाई देता है उतना ही अधिक जलभराव भी बढ़ता जाता है। जनता की तकलीफ़ें भी उतनी ही अधिक बढ़ती जा रही हैं। सरकार की अनेक योजनायें तो साफ़ तौर पर ऐसी दिखाई देती हैं जिन्हें देखकर यही यक़ीन होता है कि इस तरह की योजनायें केवल कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का ही परिणाम हैं। और कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार में डूबी ऐसी योनाओं का पूरा नुक़सान निश्चित रूप से केवल जनता को ही भुगतना पड़ता है। मिसाल के तौर पर टूटी गलियों व सड़कों के निर्माण या उसकी मुरम्मत के नाम पर हर बार गलियों व सड़कों को ऊँचा किया जाता है। इसका कारण यह है कि पुरानी सड़कों व गलियों की लंबाई व चौड़ाई तो आम तौर पर बढ़ नहीं सकती और वह पहले जितनी ही रहती है। लिहाज़ा सड़क व गली की मोटाई अर्थात ऊंचाई के नाम पर ही भ्रष्टाचार का सारा खेल व्यवस्था की मिलीभगत से खेला जाता है। यदि सरकार चाहे तो सख़्ती से यह आदेश जारी कर सकती है और स्थाई तौर से यह नियम बना सकती है कि गलियों व सड़कों की मुरम्मत पुरानी गलियों के ऊपरी स्तर को खोद कर की जाये गलियों /सड़कों के पुराने ऊंचाई के स्तर को बरक़रार रखा जाये कई जगह जागरूक नागरिकों ने इकट्ठे होकर अपने मुहल्लों में पुराने स्तर पर ही निर्माण कराया भी है । उन्होंने अपने मुहल्लों की गलियां ऊँची नहीं होने दीं। परन्तु जो जनता मूक दर्शक बनकर अपने ही घरों के सामने की सड़कों को ऊँचा होते देखती रही आज उनके घरों में मामूली सी बारिश का पानी भी घुस जाता है। जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं उन्होंने तो अपने मकानों को ऊँचा करवा लिया है या तोड़ कर नया ऊँचा मकान बना लिया है और जो बेचारे दो वक़्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं वे हर बारिश में अपनी घरों व अपने घरों के सामने की नालियों गलियों यहां तक कि सीवरेज लाइन के गंदे व दुर्गन्धपूर्ण पानी में डूबा हुआ पाते हैं। घरेलू सामानों की बारिश व जलभराव से क्षति होती है वह अलग,साथ ही बीमारी फैलने की भी पूरी संभावना तो रहती ही है। इसी तरह तमाम शहरों के मुख्य नाले भी ज़रा सी बारिश में जल-प्लावन करने लगते हैं। यहाँ तक कि बारिश रुक जाने के बाद भी घंटों तक और थोड़ी अधिक बारिश होने पर तो एक दो दिनों तक लबालब भरे रहते हैं और पानी आगे बढ़ने के बजाये ठहरा रहता है। कई जगह नव निर्मित नाले टूट फूट जाते हैं उनमें दरारें पड़ जाती हैं। कभी कोई बैंक डूबा रहता है तो कभी सरकारी या निजी कार्यालय। गोया ज़रा सी बारिश जनता में हाहाकार पैदा कर देती है। ज़ाहिर है इस दुर्व्यवस्था के लिये जनता का तो कोई दोष नहीं? हाँ जनता का दोष इतना ज़रूर है कि शहरों की नालियों व नालों में जिसतरह ग़ैर ज़िम्मेदार लोग प्लास्टिक की बोतलें,पॉलीथिन की थैलियां, यहाँ तक कि मरे हुए जानवर तक फेंक दिया करते हैं उसके चलते भी नालों व व नालियों का प्रवाह बाधित हो जाता है। तमाम लोगों ने अपने अपने घरों में गाय भैंसें पाल रखी हैं। रिहाइशी इलाक़ों में तमान डेयरियां चलाई जा रही हैं। ऐसे अनेक डेयरी संचालक अपने जानवरों का मल सीधे नालियों में बहाते हैं। जिसकी वजह से पानी की काफ़ी बर्बादी तो होती ही है साथ ही नालियों में गोबर जम जाने से नाली नाले भी अवरुद्ध हो जाते हैं। और बारिश के मौसम में जनता की यही लापरवाहियां स्वयं जनता की परेशानियों का ही सबब बनती हैं। इस तरह के जल भराव से बचने के लिये निश्चित रूप से जहां जनता पर यह ज़िम्मेदारी है कि वह नालियों व नालों में कूड़े कबाड़ फेंकने व उसे अवरुद्ध करने सभी हरकतों से बाज़ आये वहीं सरकार व संबंधित विभागों तथा योजनाकारों की भी बड़ी ज़िम्मेदारी है कि वह मुहल्लों,कालोनियों,शहरों व क़स्बों से जल निकासी हेतु ऐसी योजनायें बनाये जिससे लोगों के घरों में और गली मुहल्लों में बरसाती जल जमाव बंद हो। सड़कों व गलियों को ऊँचा करने का जो भ्रष्टाचारी तरीक़ा लगभग पूरे देश में अपनाया जा रहा है वह बिल्कुल बंद होना चाहिए। नालों नालियों तथा वर्षा जल निकासी के सभी स्रोतों के निर्माण में उचित व कारगर योजनायें बनानी चाहियें जिससे जनता के हितों को भी ध्यान में रखा जा सके और निर्माण भी स्तरीय अर्थात भ्रष्टाचार मुक्त हो। गलियों व नालों नालियों को ऊँचा कराने जैसी भ्रष्टाचार से डूबी योजनाओं से बाज़ आना चाहिए। जहां कहीं गलियों व सड़कों को ऊँचा करे बिना जल निकासी संभव ही नहीं ऐसे क्षेत्रों को अपवाद समझकर सामान्यतयः यह नियम बनाना चाहिये कि पुरानी सड़कों व गलियों को खोद कर ही अपने पिछले स्तर तक ही गलियों व सड़कोंतथा नाली नालों की ऊंचाई निर्धारित जाये। अन्यथा न्यू इण्डिया का ढोल पीटने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। जब तक इस भ्रष्टाचार डूबी इस व्यवस्था में सुधार नहीं होता तब तक भ्रष्टाचार व कुप्रबंधन के चलते थोड़ी सी ही बारिश में हमारा 'न्यू इंडिया ' हमेशा यूँही डूबता रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## डालर के समक्ष रुपया आरंभिक दबाव से उबर कर छह पैसे की तेजी के साथ 74.40 पर बंद

**मुंबई,** घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहने के बीच शुक्रवार को रुपया आरंभिक गिरावट से उबरकर छह पैसे की तेजी के साथ प्रति डालर 74.40 पर बंद हुआ। अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा की विनिमय दर में काफी उतार चढ़ाव रहा। रुपया 74.55 प्रति डालर पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.58 तक हल्का हो गया था। बाद में रुपये में सुधार आया और यह 74.37 के दिन के उच्च स्तर को छू गया। अंत में रुपये की विनिमय दर प्रति डालर छह पैसे की मजबूती के साथ 74.40 पर बंद हुई। बृहस्पतिवार को रुपया 74.46 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत बढ़कर 92.91 हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 138.59 अंक की तेजी के साथ 52,975.80 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 0.05 प्रतिशत घटकर 73.75 डॉलर प्रति बैरल रह गयी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बृहस्पतिवार को 247.59 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

## मारुति सुजुकी नेक्सा नेटवर्क ने छह साल पूरे किए, 14 लाख इकाइयों की बिक्री की

**नई दिल्ली:** मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसके प्रीमियम बिक्री नेटवर्क नेक्सा ने छह साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान इस नेटवर्क के जरिए 14 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री हुई। कंपनी ने कहा कि 2015 में पहले शोरूम की स्थापना के साथ नेक्सा ने युवा और आकांक्षी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा किया है और इसके लगभग आधे ग्राहक 35 साल से कम उम्र के हैं। नेक्सा के ग्राहकों में 70 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिन्होंने पहली बार कार खरीदी। एमएसआई के वर्तमान में देश के लगभग 234 शहरों में 380 से अधिक नेक्सा आउटलेट हैं। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, ''छह साल और 14 लाख ग्राहकों की उपलब्धि उस भरोसे का सबूत है, जो हमारे ग्राहकों ने हमें वर्षों से दिया है।''

## स्नैपचैट में डेली यूजर्स की संख्या पहुंची 29.3 करोड़

**सैन फ्रांसिस्को।** स्नैपचैट ने ऐलान किया है कि इस साल की दूसरी तिमाही में उसके दैनिक सक्रिय उपयोगकताओं की संख्या अब 29.3 करोड़ तक पहुंच गई है। इसमें साल-दर-साल 5.5 करोड़ का इजाफा हुआ है। स्नैपचैट की मूल कंपनी स्नैप ने कहा है कि साल 2021 की दूसरी तिमाही में पिछले साल के मुकाबले इसकी कमाई में 116 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो 98.2 करोड़ डॉलर है। कंपनी ने कहा कि 2021 की दूसरी तिमाही में पिछले साल के मुकाबले इसके शुद्ध घाटे में 53 प्रतिशत का सुधार आया है, जो अब 15.2 करोड़ हो गया है। कंपनी के सीईओ इवान स्पीगल ने कहा, हमारी दूसरी तिमाही के परिणाम हमारे व्यवसाय की व्यापक-आधारित ताकत को दशार्ते हैं, क्योंकि हमने पिछले चार वर्षों में प्राप्त उच्चतम दरों पर राजस्व और दैनिक सक्रिय उपयोगकताओं दोनों में वृद्धि की है। वह आगे कहते हैं, हम अपने संवर्धित वास्तविकता मंच के विकास के साथ अपनी टीम की प्रगति से खुश हैं, और हम दुनिया भर में अपने समुदाय और व्यापार को विकसित करने के कई अवसरों से उत्साहित हैं।

# सेंसेक्स 139 अंक मजबूत, निफ्टी 15,850 के ऊपर पहुंचा

**मुंबई (एजेंसी).**

शेयर बाजारों में तेजी शुक्रवार को बनी रही और बीएसई सेंसेक्स में 139 अंक की मजबूती आयी। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी और भारतीय स्टेट बैंक में तेजी के साथ बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.59 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,975.80 जबकि एनएसई निफ्टी 32 अंक यानी 0.20 प्रतिशत मजबूत होकर 15,856.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक रहा। इसके अलावा, आईटीसी, एसबीआई, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयर भी प्रमुख रूप से बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, एल एंड टी, एचयूएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी समेत अन्य शेयरों में गिरावट रही। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार घरेलू शेयर कारोबार सीमित दायरे में रहा लेकिन वित्तीय शेयरों में तेजी के साथ बाजार में तेजी बनी रही। उन्होंने कहा, ''अर्थव्यवस्था में स्पष्ट पुनरूद्धार के साथ कर्ज की मांग में वृद्धि की संभावना में सुधार तथा बेहतर मूल्यांकन से वित्तीय शेयरों को लिवाली का समर्थन मिला। हालांकि तेजी चौतरफा नहीं रही। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से संबंधित सूचकांकों में गिरावट रही। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग नुकसान में रहे जबकि सोल लाभ के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मध्याह्न कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

## कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस का उत्पादन लक्ष्य से कम रहा

**नई दिल्ली (एजेंसी):**

देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन जून में लक्ष्य से कम रहा। पिछले साल जून के मुकाबले भी इस साल कच्चे तेल का उत्पादन घटा है जबकि प्राकृतिक गैस का बढ़ा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि जून में उत्पादन कम होने के कई कारण रहे। इनमें अरब सागर में आया ताउते तूफान, ऑयल इंडिया के असम स्थित बागजन संयंत्र में विस्फोट के बाद स्थानीय लोगों द्वारा बंद और कुछ तेल कुओं में उत्पादन कम या बिल्कुल नहीं होना शामिल हैं। मंत्रालय के आज जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में कच्चे तेल का कुल उत्पादन 248.17 करोड़ टन रहा जबकि लक्ष्य 253.91 करोड़ टन का रखा गया था। इस प्रकार यह लक्ष्य से 2.24 प्रतिशत कम रहा। जून 2020 के 252.70 करोड़ टन के उत्पादन की तुलना में भी यह 1.79 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कच्चा तेल उत्पादन में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह एक साल पहले के 767.53 करोड़ टन से घटकर 741.29 करोड़ टन पर आ गया। प्राकृतिक गैस के लिए जून में 293.15 करोड़ मानक घन मीटर का लक्ष्य रखा गया था जबकि उत्पादन मात्र 277.74 करोड़ मानक घन मीटर रहा। इस प्रकार यह आंकड़ा लक्ष्य से 5.26 प्रतिशत कम रहा। यह जून 2020 के 232.38 करोड़ मानक घन मीटर की तुलना में 19.52 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जून 2021 की तिमाही में प्राकृतिक गैस का उत्पादन 20.39 फीसदी बढ़कर 816.86 करोड़ मानक घन मीटर हो गया। प्राकृतिक गैस और कच्चा तेल दोनों ही मामलों में ओएनजीसी के उत्पादन में कमी आई है जबकि ऑयल इंडिया का उत्पादन बढ़ा है। निजी कंपनियों को दिए गए तेल क्षेत्रों में कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट रही जबकि प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ गया।

# संयुक्त राष्ट्र ईएसीएपी के व्यापार सुगमीकरण पर सर्वेक्षण में भारत की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार

**नयी दिल्ली (एजेंसी),**

भारत ने यूएनईएससीएपी के डिजिटल और सतत व्यापार सुगमीकरण पर वैश्विक सर्वेक्षण में 90.32 प्रतिशत अंक हासिल कर उल्लेखनीय सुधार हासिल किया है। सर्वेक्षण 2021 में 143 अर्थव्यवस्थाओं के मूल्यांकन के बाद पाया गया कि भारत ने सभी महत्वपूर्ण संकेतकों....पारदर्शिता, औपचारिकताएं, संस्थागत व्यवस्था और सहयोग, कागज रहित व्यापार और सीमा पार कागज रहित व्यापार... उल्लेखनीय सुधार किया है। भारत ने डिजिटल और सतत व्यापार सुगमीकरण पर वैश्विक सर्वे में 90.32 प्रतिशत अंक हासिल किया। यह 2019 में 78.49 प्रतिशत के मुकाबले महत्वपूर्ण सुधार है। पारदर्शिता संकेतक के तहत देश ने 2021 में 100 प्रतिशत अंक हासिल किया जो 2019 में 93.33 प्रतिशत था। कागज रहित व्यापार के मामले में अंक 96.3 प्रतिशत रहा जो 2019 में 81.48 प्रतिशत था। संस्थागत व्यवस्था और सहयोग के मामले में भारत का अंक सुधरकर 88.89 प्रतिशत रहा जो 2019 में 66.67 प्रतिशत था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि डिजिटल और सतत व्यापार सुविधा पर संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक सर्वेक्षण में भारत ने अंक हासिल करने में 'महत्वपूर्ण सुधार' किया है। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) विभिन्न सुधारों को आगे बढ़ाने में अगुआ रहा है। उसने महत्वपूर्ण सुधार 'तुरंत कस्टम' के माध्यम से बिना आमने सामने आये (फेसलेस), कागज रहित (पेपरलेस) और संपर्क रहित (कांटेक्टलेस) सीमा शुल्क व्यवस्था को आगे बढ़ाया। मंत्रालय ने कहा कि इससे यूएनईएससीएपी की डिजिटल और सतत व्यापार सुविधा की रैंकिंग में सुधार को लेकर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। एशिया प्रशांत के लिये आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) संयुक्त राष्ट्र के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है और समावेशी तथा सतत विकास प्राप्त करने के लिए देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। वित्त मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 महामारी के दौरान सीमा शुल्क विभाग ने ऑक्सीजन संबंधित उपकरण, दवाइयां, टीका आदि जैसे कोरोना संक्रमण के इलाज में जरूरी सामानों के तत्काल आयात को लेकर हर संभव प्रयास किये। एक्जिम (निर्यात आयात) व्यापार के लिये सीबीआईसी की वेबसाइट पर 24 घंटे काम करने वाली एक अलग व्यवस्था बनायी गयी। इसका उद्देश्य आयातकों की समस्या का तत्काल समाधान करना था। यूएनईएससीएपी हर दो साल में डिजिटल और सतत व्यापार सुविधा को लेकर वैश्विक सर्वेक्षण करता है। इस साल के सर्वेक्षण में विश्व व्यापार संगठन के व्यापार सुगमीकरण समझौते में शामिल व्यापार को सुविधाजनक बनाने के 58 उपायों का आकलन शामिल है। किसी देश के लिये अधिक अंक कंपनियों को उनके निवेश निर्णयों में भी मदद करता है।

# एजीआर कैलकुलेशन की याचिका खारिज होने के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयर गिरे

**मुंबई (एजेंसी)।**

सुप्रीम कोर्ट द्वारा समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) गणना में कथित त्रुटियों को ठीक करने के लिए दूरसंचार संचालकों की याचिका खारिज करने के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों में शुक्रवार को 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। दोपहर करीब 12.20 बजे बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयर 8.58 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो पिछले बंद से 7.24 फीसदी कम है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सभी आवेदन खारिज कर दिए गए। सोमवार को, शीर्ष अदालत ने पहले ही कहा था कि वह वोडाफोन आइडिया, भारती एयरटेल और टाटा टेली सर्विसेज लिमिटेड द्वारा दायर आवेदनों पर अपना आदेश पारित करेगी, जिसमें उनके द्वारा देय एजीआर बकाया की गणना में अंकगणितीय त्रुटियों का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत ने मामले में पहले के एक आदेश का हवाला देते हुए आदेश को स्पष्ट रूप से इंगित किया था कि एजीआर से संबंधित बकाया का कोई पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। दूरसंचार कंपनियों ने प्रस्तुत किया कि अंकगणितीय त्रुटियों को ठीक किया जा सकता है और प्रविष्टियों के दोहराव के मामले हैं। वोडाफोन आइडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने प्रस्तुत किया था कि वे इसके लिए दूरसंचार विभाग ( डीओटी) को दोष नहीं दे रहे थे। यह अंकगणितीय प्रविष्टियों का मामला है। रोहतगी ने कहा कि वे इन त्रुटियों को सुधार के लिए संबंधित विभाग के ध्यान में लाना चाहते हैं। पीठ ने दोहराया कि शीर्ष अदालत के आदेश ने यह स्पष्ट कर दिया था कि कोई पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। पिछले साल सितंबर में, शीर्ष अदालत ने दूरसंचार कंपनियों को 10 साल का समय दिया था, जो सरकार को बकाया एजीआर बकाया राशि में 93,520 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। शीर्ष अदालत ने कहा था कि दूरसंचार ऑपरेटरों को 31 मार्च, 2021 तक दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए कुल बकाया का 10 प्रतिशत का भुगतान करना होगा। पीठ ने कहा था कि शेष राशि का भुगतान 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2031 तक वार्षिक किश्तों में किया जाना है। हालांकि भारती एयरटेल के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। दोपहर करीब 12.20 बजे, बीएसई पर इसके शेयर 553.25 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो पिछले बंद से 6.75 रुपये या 1.24 प्रतिशत अधिक है।

## वर्क फ्रॉम होम के चलते भारत में ऑफिस स्पेस की मांग 38 फीसदी घटी

**नई दिल्ली।** महामारी कोविड-19 के प्रकोप से बेहाल पूरी दुनिया में कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम की प्रथा शुरू कर दी जिसका सीधा प्रभाव ऑफिस मार्केट स्पेस पर पड़ा है। साल के पहले 6 महीने कोरोना की दूसरी लहर की भेंट चढ़ गए जहां ऑफिस लीजिंग 6 साल में सबसे निचले स्तर पर फिसल गई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से जून के बीच भारत के 6 बड़े शहरों में 1 करोड़ 9 लाख स्कावयर फिट की ही लीजिंग हो सकी जो पिछले साल के मुकाबले 38 फीसदी कम है। अगर सप्लाई की बात करें तो 4 फीसदी बढ़कर 1 करोड़ 80 लाख स्कावयर फिट पर रही। सबसे ज्यादा लीजिंग आईटी कंपनियों ने की जिसके बाद बीएफएसआई सेगमेंट की कंपनियां रही। लीजिंग का करीब 70 फीसदी दिल्ली एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु से आया। 40 लाख स्कावयर फिट के साथ बेंगलुरु लिस्ट में सबसे ऊपर रहा। कोरोना महामारी के चलते पिछले 5 महीने से ज्यादातर कंपनियों के अधिकतम एंप्लॉयी घरों से काम कर रहे हैं। ऐसे में कंपनियों के लिए ऑफिस स्पेस का मतलब नहीं रह गया है। शायद यही वजह है कि इंडियन कॉर्पोरेट्स और मल्टी नेशनल कंपनियों ने 2020 की पहली छमाही में करीब 6 मिलियन स्क्वेयर फीट ग्रेड ए कमर्शल ऑफिस स्पेस खाली भी किया है।

# शेयर बाजार व्यापार हरे रंग में; जोमैटो की शुरूआत को अच्छी प्रतिक्रिया

**मुंबई (एजेंसी)।**

भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने समर्थन वैश्विक संकेतों के बाद गुरुवार को दोपहर के कारोबार सत्र के दौरान मामूली बढ़त हासिल की। इसके अलावा, स्वस्थ तिमाही परिणामों की उम्मीदों और जोमैटो की शुरूआत के लिए उत्साहजनक प्रतिक्रिया ने बाजार को ऊंचा कर दिया। सुबह करीब 11.25 बजे सेंसेक्स अपने पिछले बंद से 40.45 अंक या 0.077 फीसदी की बढ़त के साथ 52,877.66 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 50 अपने पिछले बंद से 6.85 अंक या 0.043 प्रतिशत अधिक 15,830.90 पर कारोबार कर रहा था। रिलायंस सिक्योरिटीज में हेड स्ट्रैटेजी बिनोद मोदी के अनुसार- घरेलू शेयर अभी मामूली रूप से अच्छे दिख रहे हैं। वैश्विक बाजारों में तेज रिकवरी ने घरेलू इक्विटी को कल तेज रिबाउंड देखने के लिए प्रेरित किया, जबकि डेल्टा वेरिएंट में हालिया वृद्धि के कारण वैश्विक विकास पर चिंता दुनिया के कई हिस्सों में कोरोनावायरस के मामले लगातार जारी हैं।

कहा, हालांकि, हम मानते हैं कि घरेलू बाजार की अंतर्निहित ताकत बरकरार है और इसलिए बाजार में किसी भी सार्थक सुधार को गुणवत्ता वाले शेयरों में प्राप्त करने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। इसके अलावा, जोमैटो के शेयरों ने इश्यू प्राइस से 68 फीसदी की अच्छी बढ़त के साथ शुरूआत की।बीएसई पर कंपनी के शेयर 127.90 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो 76 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य से 51.90 रुपये या 68.29 प्रतिशत अधिक है। बीएसई पर यह 115.00 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ। इसके अलावा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में, इसके शेयर 76 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 127.20 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। यह एनएसई पर 116 रुपये प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ।

शानदार शुरूआत के बाद,जोमैटो का बाजार पूंजीकरण लगभग 1 लाख करोड़ रुपये है। फिलहाल यह 96,103.45 करोड़ रुपये है। यह लिस्टिंग उम्मीदों के अनुरूप थी। पिछले शुक्रवार को निर्गम के अंतिम दिन के अंत तक जोमैटो की बहुप्रतीक्षित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 38 गुना से अधिक सब्स्क्राइब किया गया था।

# ईएसआर तमिलनाडु में औद्योगिक पार्कों में 550 करोड़ रुपए का करेगा निवेश, 4400 नौकरियां होंगी तैयार

**नई दिल्ली (एजेंसी):**

ईएसआर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ 550 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से दो औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ईएसआर इंडिया और तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को आयोजित निवेश सम्मेलन 2021 में इस आशय के सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एमओयू के तहत अगले पांच वर्षों में राज्य के कांचीपुरम और कृष्णागिरी जिलों में दो औद्योगिक पार्कों की स्थापना की जाएगी।

ईएसआर इंडिया ने बताया कि दोनों औद्योगिक पार्कों के चालू होने के बाद वहां 4,400 से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। ईएसआर इंडिया के सीईओ और कंट्री हेड, अभिजीत मलकानी ने कहा कि हमें राज्य सरकार के साथ अपने समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। तमिलनाडु सरकार औद्योगिक कंपनियों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल बनाकर राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने में बहुत सपोर्टिव रही है। मलकानी ने आगे कहा कि एमओयू के अनुसार ईएसआर तमिलनाडु में औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए 550 करोड़ रुपए का निवेश करेगा, जिससे 1,800 प्रत्यक्ष और 2,600 परोक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे।

# बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे को यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ने की तैयारी, बचेगा समय, घटेगा प्रदूषण

**लखनऊ (एजेंसी)।**

अब शीघ्र ही बुंदेलखंड के विकास को नया आयाम मिलेगा। डिफेंस कॉरीडोर और बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे इसका जरिया बनेगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे चित्रकूट के भरतकूप के पास से शुरू होकर बांदा, हमीरपुर, महोबा और औरैया होते हुए इटावा के कुदरैल गांव के पास यमुना एक्सप्रेस वे से जुड़ेगा। इससे बुंदेलखंड से देश की राजधानी दिल्ली तक आने-जाने में समय और संसाधनों की बचत होगी। डीजल और पेट्रोल की खपत घटने से प्रदूषण भी घटेगा।

बुंदेलखंड का शुमार प्रदेश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में होता है। नीति आयोग ने कायाकल्प के लिए प्रदेश के जिन आठ जिलों को चुना है उनमें चित्रकूट भी एक है। संयोग से चित्रकूट से ही एक्सप्रेसवे की शुरूआत भी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई बार यह कह चुके हैं कि शौर्य, संस्कार और परंपरा की धरती बुंदेलखंड आने वाले समय में उप्र का स्वर्ग होगी। इसमें प्रस्तावित डिफेंस कॉरीडोर और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डिफेंस कॉरीडोर में देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लखनऊ में डिफेंस एक्सपो-2020 का सफलतम आयोजन किया गया था। इसके तुरंत बाद बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के शिलान्यास और जलजीवन मिशन से बुंदेलखंड के विकास के प्रति केंद्र और प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता साबित हो रही है। इन परियोजनाओं पूरा होने पर सबका साथ, सबका विकास और सबके भरोसे के भाजपा के नारे को चरितार्थ करेंगी। आगरा-लखनऊ और यमुना एक्सप्रेसवे से जुडने के कारण दिल्ली तक का यातायात सुगम हो जाएगा। परियोजना से आच्छादित क्षेत्रों में कृषि, वाणिज्य और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। योगी सरकार की मंशा हर एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा बनाने की है। इनमें स्थापित होने वाले शिक्षण संस्थान और उत्पादन इकाइयों के नाते स्थानीय स्तर पर रोजी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 फरवरी 2020 को चित्रकूट से इसका शिलान्यास किया था। 20 जुलाई की यूपीडा के सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) अवनीश कुमार अवस्थी ने बुंदेलखण्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य के प्रगति की वीडियो कान्फ्रेंसिग के जरिए समीक्षा बैठक भी की। इसमें यूपीडा के साथ निर्माण कम्पनियों के भी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# उत्पीड़न पर नकेल कसने के लिए इंस्टाग्राम में नए फीचर्स की टेस्टिंग

**सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।**

लक्षित उत्पीड़न को रोकने के मकसद से फेसबुक के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम ने अब लिमिट्स नामक एक नए फीचर की टेस्टिंग कर रहा है। यूजर्स को जब लगेगा कि वे उत्पीड़न का शिकार हुए हैं, उस वक्त इस नए फीचर की मदद से वे अपने अकाउंट्स को लॉक कर सकेंगे या बातचीत को सीमित कर सकेंगे। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने गुरुवार को इंगैजेट के हवाले से कहा, नस्लवाद और अभद्र भाषा का इंस्टाग्राम पर कोई स्थान नहीं है। प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न को रोकने के प्रयास पर मोसेरी ने कहा कि इंस्टाग्राम की योजना अभद्र भाषा को जितना संभव हो सके कम करना है। इसे लगभग शून्य के बराबर तक लाना है। हालांकि यह जानते हुए भी कि ऐप पर से सभी प्रकार के नस्लवाद को मिटा पाना नामुमकिन के बराबर है, लेकिन इसके बावजूद भी कंपनी की योजना लोगों का परिचय ऐसे टूल्स संग कराना है, जो उन्हें इसे रोकने की कुछ शक्ति दे। रिपोर्ट में कहा गया, लिमिट्स इस उद्देश्य से बेहतर है। मोसेरी ने इस नए फीचर के बारे में आगे कहा, हम जानते हैं कि लोगों में दर्द और नफरत की भावना कुछ समय तक के लिए ही होती है, इस दौरान सुरक्षा देने के मकसद से एक टूल्स की जरूरत है। इस फीचर को दुनियाभर में जारी करने से पहले इंस्टाग्राम अभी कुछ चुनिंदा देशों में लिमिट्स की टेस्टिंग कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार जा सकते हैं इंग्लैंड दौरे पर

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड दौरे पर गई टीम इंडिया खिलाड़ियों की चोट की वजह से मुश्किलों में घिरी दिख रही है। शुभमन गिल के बाद टीम इंडिया के 3 खिलाड़ी चोट के चलते इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। ताजा मामला वॉशिंगटन सुंदर का है, जो उंगली में चोट के बाद अब टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। दो दिन पहले तेज गेंदबाज आवेश खान भी प्रैक्टिस मैच में चोटिल हो गए थे और वो भी इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। पहले बीसीसीआई ने गिल के रिप्लेसमेंट के रूप में किसी भी बल्लेबाज को इंग्लैंड भेजने से इनकार कर दिया था। लेकिन अब चोटिल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने से बीसीसीआई की सोच में भी बदलाव आया और अब कुछ नए खिलाड़ी इंग्लैंड जा सकते हैं। इसमें तेज गेंदबाज भुवेश्वर कुमार भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट के रूप में श्रीलंका दौरे पर शामिल खिलाड़ियों को ही इंग्लैंड भेजा जाएगा। लेकिन दूसरे देशों के लोगों के इंग्लैंड में आने पर लगे प्रतिबंध के कारण बीसीसीआई इस पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम देखेंगे कि चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट के रूप में फौरन किसी खिलाड़ी को इंग्लैंड भेजना है या नहीं। जहां तक श्रीलंका से खिलाड़ियों को इंग्लैंड भेजने की संभावना का सवाल है, तो बीसीसीआई का काम आसान हो जाएगा।

टोक्यो ओलंपिक (पुरुष हॉकी)

# अपने अभियान की सतर्क शुरूआत करना चाहेगा भारत

**टोक्यो (एजेंसी)।**

मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम बहुप्रतीक्षित ओलंपिक खेलों में ग्रुप चरण में अपने अभियान की सतर्क शुरूआत करेगी। भारत को शनिवार को अपने पहले पूल ए मैच में शनिवार को डार्क हॉर्स माने जा रहे न्यूजीलैंड से भिड़ना है। गत ओलिंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना, दुर्जेय ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन और जापान के साथ समूहबद्ध, विश्व नंबर-4 भारत का लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित करना होगा। रेडी स्टेडी टोक्यो हॉकी स्टेडियम में खेलते हुए भारत ने 2019 में टेस्ट इवेंट फाइनल में न्यूजीलैंड को 5-0 से हराया था। हालांकि, राउंड रोबिन चरण में न्यूजीलैंड ने 2-1 की संकीर्ण जीत के साथ भारत को शिकस्त दी थी।शुक्रवार को उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक मनप्रीत सिंह ने कहा, वे एक ऐसी टीम हैं जिससे हमें सावधान रहने की जरूरत है। टीम को बुनियादी बातों पर टिके रहना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित करें और खेल के किसी भी बिंदु पर आत्मसंतुष्ट न हों।अपनी टीम के लिए मनप्रीत की चेतावनी इस टीम के खिलाफ खेलने के पिछले अनुभवों से भी आती है, जिसका नेतृत्व अनुभवी ब्लेयर टैरेंट करेंगे, जिनके पास 217 अंतरराष्ट्रीय कैप हैं। 2018 में, जब न्यूजीलैंड ने भुवनेश्वर में एफअर्क्षएच पुरुष विश्व कप से पहले भारत का दौरा किया, तो भारत ने इस टीम के खिलाफ काफी जीत (4-0, 3-1, 4-2) का स्वाद चखा था, लेकिन महत्वपूर्ण 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में 2-3 से हार गया था। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, न्यूजीलैंड एक बहुत अच्छी टीम है, और जिस तरह से वे खेलते हैं, उसके लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। वे मानसिक रूप से बहुत सख्त हैं, और वे कभी हार नहीं मानते हैं। उनका यह रवैया उन्हें एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बनाता है। उनके पास बहुत कुशल फॉरवर्ड लाइन है और ओलंपिक में ईमानदारी से, विश्व रैंकिंग वास्तव में मायने नहीं रखती है। इसलिए, हमारे लिए शनिवार को अच्छी शुरूआत करना महत्वपूर्ण होगा।ओई हॉकी स्टेडियम में टीम को अच्छे प्रशिक्षण के घंटे मिलने के साथ, रीड का मानना है कि टीम ग्रुप स्टेज चुनौती के लिए तैयार है। रीड ने कहा, जब आप किसी नए स्थान पर जाते हैं, तो मैं हमेशा यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम सतह सेपरिचित होने और परीक्षण करने के लिए अभ्यास करें। पेनल्टी कार्नर और टर्फ की उछाल जैसी चीजें अक्सर बहुत महत्वपूर्ण होती हैं क्योंकि ओवरहेड्स भी इन दिनों मैचों में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# पीवी सिंधु से पूरे देश को गोल्ड मेडल की उम्मीद, रविवार को खेलेंगी अपना पहला मैच

**(एजेंसी)।**

ओलंपिक पदार्पण में पांच साल पहले रजत पदक जीतने वाली मौजूदा विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु शनिवार को यहां शुरू होने वाली बैडमिंटन स्पर्धा में भारत की स्वर्ण पदक हासिल करने की मुहिम की अगुवाई करेंगी। रियो में सिंधु ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में वह कड़े मुकाबले में हार गयीं। यह भारतीय इस बार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिये बेताब होगी। वह अपना अभियान ग्रुप जे में शुरू कर रही हैं जिसमें हांग कांग की चेयुंग एनगान यि (34वीं रैंकिंग) और इस्राइल की सेनिया पोलिकारपोवा (58वीं रैंकिंग) शामिल हैं। सिंधु रविवार को अपना शुरूआती मैच खेलेंगी जबकि हमवतन खिलाड़ी बी साई प्रणीत और चिराग शेट्टी और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी की पुरूष जोड़ी शनिवार को अपना अभियान शुरू करेंगे। सिंधु से रियो ओलंपिक से पहले उलटफेर करने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन उन्हें पदक का दावेदार नहीं माना जा रहा था। लेकिन इस बार वह स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदारों में शामिल हैं, विशेषकर गत चैम्पियन कैरोलिना मारिन की अनुपस्थिति में जो चोट के कारण नहीं खेलेंगी। रियो के बाद से सिंधु ने हर बड़े टूर्नामेंट में पदक जीते जिसमें 2018 में राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में रजत पदक, सत्र के अंत में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में एक स्वर्ण और एक रजत पदक शामिल हैं। इसके अलावा वह 2019 में विश्व चैम्पियन बनी जबकि पिछले चरणों में वह तीन बार फाइनल्स तक भी पहुंची थीं। कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक स्थगित होने के बाद सिंधु ने 2020 में लंदन में ट्रेनिंग की और फिर स्वदेश लौटने के बाद नये विदेशी कोच पार्क ताए सांग के साथ अभ्यास किया जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में उनके डिफेंस पर काफी काम किया है। दुनिया की नंबर छह बैडमिंटन खिलाड़ी ने ड्रा के बारे में बात करते हुए कहा, ''ग्रुप चरण में यह अच्छा ड्रा है। लेकिन यह ओलंपिक है और यह आसान नहीं होगा, हर अंक अहम होगा।''

## रियो के खराब प्रदर्शन को टोक्यो में भुलाने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

**नई दिल्ली ।** पुरूष हॉकी टीम की तरह भारतीय महिला हॉकी के पास ओलंपिक में कोई गौरवशाली इतिहास नहीं है और 36 बरस बाद रियो ओलंपिक में उतरने के बाद एक भी मैच नहीं जीत पाने की टीस वह टोक्यो में यादगार प्रदर्शन के जरिए दूर करना चाहेगी हालांकि पहले ही कदम पर उसे दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड से खेलना है।लगातार दूसरी बार ओलंपिक में जगह बनाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ अर्से में अपने प्रदर्शन से उम्मीद जगाई है। एफआईएच रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज रानी रामपाल की टीम का पहला लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में प्रवेश होगा। कोच शोर्ड मारिने का कहना है, 'हमने पिछले चार साल में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन हमें यथार्थवादी लक्ष्य लेकर चलना है । हमारा फोकस इस समय क्वार्टर फाइनल है और उसके बाद कुछ भी संभव है।' मॉस्को ओलंपिक 1980 के 36 साल बाद रियो ओलंपिक खेलने वाली भारतीय टीम पांच में से चार मैच हार गई थी और उसने 19 गोल गंवाए। एकमात्र ड्रॉ जापान के खिलाफ खेला और पूरे टूर्नामेंट में टीम तीन ही गोल कर सकी। उसके बाद से हालांकि भारतीय टीम ने 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी और 2017 एशिया कप जीते, 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता और विश्व कप में पहली बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंची। इसके साथ ही एफआईएच महिला सीरिज फाइनल्स में जापान को हराकर स्वर्ण पदक जीता। एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर 2019 में अमेरिका को मात देकर टोक्यो का टिकट कटाया।

# टोक्यो ओलंपिक-2020 खेलों की भव्य शुरुआत, मनप्रीत और मैरी कॉम ने की भारतीय दल की अगुवाई

**टोक्यो।** कोरोना महामारी के बीच ही यहां एक भव्य समारोह में 32वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई। समारोह के दौरान ओलंपिक स्टेडियम दमक रहा था जिससे उठी नई उम्मीद की धमक पूरे विश्व में सुनाई दे रही थी। आपातकाल घोषित होने के कारण दर्शकों के बिना ही समारोह आयोजित हुआ। उदघाटन समारोह में भावनाओं का उभार देखा गया। इसमें महामारी के इस दौर में एकजुट होकर प्रदर्शन करने की विषय वस्तु भी कार्यक्रम के अनुकूल रही। भव्य समारोह ने सभी का ध्यान खींच लिया। ओलंपिक समारोह में भारतीय ध्यजवाहक हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह और मुक्केबाज मैरी कॉम दल की अगुवाई करते हुए तिरंगा लहराते नजर आए। मनप्रीत और मैरी कॉम तिरंगा हाथ में लिए सबसे आगे चल रहे थे, जबकि अन्य सदस्य हाथ में तिरंगा लिए पीछे चल रहे थे। यह ओलंपिक में भारत का 25वां प्रदर्शन है। इस बार ओलिंपिक में भारत ने अपना सबसे बड़ा दल भेजा है। इस बार महिलाओं खिलाड़ियों की संख्या भी सबसे ज्यादा 56 हैं। उद्घाटन समारोह में 22 खिलाड़ी और 6 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में हॉकी से 1, मुक्केबाजी से 8, टेबल टेनिस से 4, रोविंग से 2, जिमनास्टिक से 1, तैराकी से 1, नौकायन से 4, तलवारबाजी से 1 खिलाड़ी शामिल हुए जबकि 6 अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और खेल राज्यमंत्री निसिथ प्रमाणिक ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से 32वें ओलिंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह का आनंद लिया। उनके साथ पूर्व खिलाड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियां भी भारतीय दल का उत्साह बढ़ाने के लिए उपस्थित थीं।

## संक्षिप्त समाचार

### श्रीशंकर और इरफान को ओलंपिक के लिए मिली हरी झंडी

**नई दिल्ली।** भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने शुक्रवार को लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर और 20 किमी पैदल चाल एथलीट केटी इरफान का नाम टोक्यो ओलंपिक से नहीं हटाने का फैसला किया। एएफआई की चयन समिति आपात बैठक के बाद इस नतीजे पर पहुंची है। गत 21 जुलाई को हुए फिटनेस ट्रायल्स में श्रीशंकर ने 7.48 मीटर का जम्प किया था। 22 वर्षीय एथलीट ने 8.26 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ के साथ ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। दूसरी तरफ इरफान जिन्होंने मार्च 2019 में एशियन पैदल चाल चैंपियनशिप में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था, उन्होंने आखिरी बार इस साल मार्च में पैदल चाल नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था जहां वह रेस पूरी नहीं कर सके थे। मई में वह कोरोना पॉजिटिव भी पाए गए थे। इस बारे में मजबूत राय बनी थी कि इन दोनों एथलीटों के ट्रायल्स के दौरान बेहतर प्रदर्शन नहीं करने के बाद इनके नाम हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन समिति ने माना कि ट्रायल्स फॉर्म के बजाए फिटनेस की आकलन के लिए कराए गए थे। इसका सार यही है कि बैठक में सर्वसम्मति से इन दोनों खिलाड़ियों को टीम से नहीं निकालने का निर्णय लिया गया। इरफान का यह दूसरा ओलंपिक होगा, वह इससे पहले 2012 लंदन ओलंपिक में हिस्सा ले चुके हैं जहां वह 10वें नंबर पर रहे थे। श्रीशंकर का हालांकि यह पहला ओलंपिक होगा। टोक्यो ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड इवेंट 30 जुलाई से शुरू होंगे।

### भारत के ओलंपिक मुक्केबाजी अभियान की शुरूआत करेंगे विकास

**तोक्यो ।** अनुभवी विकास कृष्ण (69 किग्रा) शनिवार को यहां स्थानीय प्रबल दावेदार सेवोनरेट्स क्विंकी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ भारत के मुक्केबाजी ओलंपिक अभियान की शुरूआत करेंगे। विकास रयोगोकू कोकुगिकान एरीना में होने वाली मुक्केबाजी स्पर्धाओं के शुरूआती दिन रिंग में उतरने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज होंगे, इसी वजह से उन्होंने उद्घाटन समारोह में नहीं जाने का फैसला किया। भारतीय मुक्केबाजों को पदक दौर तक पहुंचने के लिये कई चुनौतीपूर्ण बाधाओं को पार करना होगा। 29 वर्षीय विकास अपने तीसरे और शायद अंतिम ओलंपिक में पदक जीतने के लिये बेताब होंगे। उन्होंने सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं जिसमें विश्व चैम्पियनशिप पदक भी शामिल है। उन्होंने खेलों से पहले कहा था, ''मैं इस समय पूरी तरह से तैयार हूं, इससे ज्यादा तैयार नहीं हो सकता।'' विकास के प्रतिद्वंद्वी ओकाजावा ने 2019 एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था और इसी साल विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में भी पहुंचे थे। अगर हरियाणा का मुक्केबाज पहले दौर की इस बाधा को पार कर लेता है तो राउंड 16 में उनका सामना क्यूबा के तीसरे वरीय रोनियल इग्लेसियास से होगा जो 2012 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व विश्व चैम्पियन हैं।

# युवाओं को लगातार सीनियरों की ड्यूटी के लिए प्रेरित कर रहे हैं : श्रीजेश

**टोक्यो (एजेंसी)।**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पी. आर श्रीजेश का कहना है कि टीम के सीनियर खिलाड़ियों की ड्यूटी है कि वे जूनियर खिलाड़ियों को इस बात से अवगत कराएं कि ओलंपिक का टास्क किस तरह का है। 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले श्रीजेश ने कहा, यह हमारे जैसे सीनियर खिलाड़ियों पर है कि हम युवाओं का मनोबल बढाएं। इनमें से कुछ बस इस बात को लेकर ही खुश हैं कि वे भारत के लिए खेलेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि, यह सीनियर खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को समझाएं कि सिर्फ खेलना अहम नहीं है बल्कि यह ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में पदक जीतना का सुनहरा अवसर भी है। हमें इन खिलाड़ियों को यह बताने की जरूरत है कि ये बेहतर खिलाड़ी हैं और अच्छा कर सकते हैं। श्रीजेश ने कहा, जब मैंने पहली बार भारतीय जर्सी पहनी तो मुझे याद है कि मेरे सीनियरों ने मुझसे कहा था कि अगर तुम गलती करोगे तो तुम्हें क्लब या राज्य स्तर पर ही खेलना पड़ेगा। भारतीय जर्सी पहनने से बड़ी जिम्मेदारी आती है। उन्होंने कहा, ओलंपिक एक त्योहार की तरह है। यहां पूरी दुनिया आपको देखती है। इस जगह दुनिया के शीर्ष एथलीट्स और आपके प्रेरणास्रोत मौजूद रहते हैं। श्रीजेश ने 2006 में डेब्यू किया था जिसके बाद से वह भारतीय टीम के महत्वपूर्ण सदस्य बने हुए हैं।

## शमसी, फोर्टुइन के कहर से आयरलैंड ध्वस्त, दक्षिण अफ्रीका को 2-0 की अजेय बढ़त

**बेलफास्ट ।** लेफ्ट आर्म स्पिनरों तबरेज शमसी (3/14) और ब्योर्न फोर्टुइन (3/16) की शानदार गेंदबाजी और मध्य क्रम के बल्लेबाज डेविड मिलर (75) के विस्फोटक अर्धशतक की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने यहां गुरुवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को 42 रन से हरा कर न केवल 2-0 से अपराजेय बढ़त बनाई, बल्कि तीन मैचों की सीरीज भी जीत ली। दक्षिण अफ्रीकाई टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 159 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में आयरलैंड की टीम 19.3 ओवर में 117 रन पर ही ऑलआउट हो गई। शमसी, फोर्टुइन और मिलर दक्षिण अफ्रीका का जीत के हीरो रहे। बल्लेबाजी में जहां मिलर ने आयरलैंड के गेंदबाजों के पसीने छुटाए तो वहीं गेंदबाजी में शमसी और फोर्टुइन ने आयरलैंड के बल्लेबाजों को चारों खाने चित कर दिया। मिलर ने चार चौकों और पांच छक्कों के सहारे 44 गेंदों पर 75 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका 159 के स्कोर तक पहुंच पाई। उनके अलावा वियान मलडर और क्विंडन डी कॉक ने क्रमशः 26 गेंदों पर 36 और 20 गेंदों पर 27 रन बनाए। इसके बाद गेंदबाजी में शमसी और फोर्टुइन ने आयरलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। शमसी ने चार ओवर में 14 रन देकर तीन, जबकि फोर्टुइन ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा ब्यूरन हेंड्रिक्स ने दो और लुंगी एनगिदी और एडन मार्करम ने एक-एक विकेट लिया। आयरलैंड की बल्लेबाजी फीकी दिखी। लक्ष्य के मुताबिक कोई भी बल्लेबाजी आतिशी पारी नहीं खेल पाया। शेन गेटकेट ने एक चौके और दो छक्कों के सहारे 18 गेंदों पर सर्वाधिक 24 रन बनाए। उनके अलावा जॉर्ज डॉकरेल ने 20 और पॉल स्टर्लिंग ने 19 रन बनाए। गेंदबाजी में पॉल स्टर्लिंग और मार्क अडायर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि क्रेग यंग, जोशुआ लिटिल और सिमी सिंह को एक-एक विकेट मिला। 44 गेंदों पर विस्फोटक 75 रन बनाने के लिए डेविड मिलर को 'प्लेयर ऑफ द मैच% पुरस्कार मिला। दोनों टीमों के बीच अब कल बेलफास्ट में ही तीसरा और आखिरी टी-20 मुकाबला खेला जाएगा।

## अमुंडी एवियन गोल्फ चैंपियनशिप : अदिति अशोक की खराब शुरुआत

**पेरिस ।** भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एवियन लेस बैंस में चल रही अमुंडी एवियन गोल्फ चैंपियनशिप के पहले दौर में अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और उन्होंने चार ओवर 75 का कार्ड खेला। अदिति का यह 18वां मेजर है और इस तरह से उन्होंने भारत की तरफ सर्वाधिक मेजर टूर्नामेंट में खेलने के अपने रिकार्ड को नये मुकाम पर पहुंचाया। अदिति ने पहले होल में ही डबल बोगी की और इसके बाद चौथे और सातवें होल में बोगी कर बैठी। इससे वह चार ओवर पर चली गई। इसके बाद 17वें होल में बोगी करने से उनका स्कोर पांच ओवर हो गया लेकिन वह 18वें होल में दिन की एकमात्र बर्डी जमाने में सफल रही। इस साल तीसरे मेजर में खेल रही इस भारतीय गोल्फर को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

# क्या फिर से अविश्वसनीय प्रदर्शन को दोहरा सकते हैं भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी...

**(एजेंसी)।**

भारतीय टेबल टेनिस दल ने एशियाई खेलों में अविश्वसनीय प्रदर्शन किया था जिसे खिलाड़ी 'मिनी ओलंपिक' भी मानते हैं और अब तीन साल बाद क्या वे तोक्यो ओलंपिक में भी कोई कमाल कर सकते हैं, यह देखना होगा। एशियाई खेलों में भले ही चीन, कोरिया और जापान जैसे मजबूत देश हों लेकिन ओलंपिक बिलकुल ही अलग तरह के खेल हैं। भारत ने जकार्ता में पुरूष टीम का कांस्य और मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीतकर एशियाई खेलों में देश के पदक सूखे को समाप्त किया लेकिन यहां एक पदक के करीब पहुंचना भी मुश्किल काम होगा। पिछले हफ्ते जब टेबल टेनिस खिलाड़ी तोक्यो पहुंचे तो थोड़ी सी उम्मीद मिश्रित युगल वर्ग में थी लेकिन शुरूआती मुकाबले में चीनी ताइपे की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ मुकाबले ने ए शरत कमल और मनिका बत्रा के लिये चुनौती और कठिन कर दी है। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी का प्रदर्शन क्वालीफायर में शानदार था और उन्होंने टूर्नामेंट भी जीते। लेकिन ओलंपिक से पहले शरत और मनिका को एक साथ अभ्यास के लिये केवल तीन ही सत्र मिले जिसके बाद वे तोक्यो रवाना हो गये। यह स्टार जोड़ी हालांकि पहुंचने के बाद नियमित अभ्यास सत्र कर रही है और उम्मीद कर सकते हैं कि शरत और मनिका शनिवार की सुबह से पहले अपनी योजनाओं को पुख्ता कर लें। शरत और जी साथियान को पुरूष एकल स्पर्धा में कठिन ड्रा मिला है। 20वें वरीय शरत को अपने चौथे ओलंपिक में पहली बार शुरूआती दौर में बाइ मिली है और अगर वे दूसरे दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो वह मौजूदा चैम्पियन मा लोंग के सामने हो सकते हैं। अगर साथियान अपने पदार्पण ओलंपिक में दूसरे दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो वह जापान के तीसरे वरीय हारिमोटो तोमोकाजू के सामने होंगे जिन्हें दो साल पहले एशियाई चैम्पियनशिप की टीम स्पर्धा में हराकर चौंका दिया था। दोनों स्पर्धाओं में संभावनाओं के बारे में बात करते हुए शरत ने कहा कि मिश्रित युगल में उलटफेर की संभावना ज्यादा है। शरत ने कहा, ''पुरूष और मिश्रित युगल दोनों में यह मुश्किल ड्रा है लेकिन मिश्रित युगल में यह हमारे प्रतिद्वंद्वियों का पहला मैच होगा तो हम उन्हें हैरान करने की कोशिश क

## तीरंदाज दीपिका कुमारी ने हासिल किया 9वां स्थान, 27 को होगा एलिमिनेशन राउंड

**स्पोर्ट्स डेस्क ।** भारत ने तोक्यो ओलंपिक में शुक्रवार को अपने अभियान का आगाज किया जब पदक उम्मीद अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी महिला व्यक्तिगत रैंकिंग दौर में नौवें स्थान पर रही और अब उन्हें मुख्य स्पर्धा के पहले दौर में आसान प्रतिद्वंद्वी मिला है। युमेनोशिमा पार्क पर हुए मुकाबले में दुनिया की नंबर एक तीरंदाज दीपिका ने 720 में से 663 स्कोर किया जिसमें पहले हाफ में 334 और दूसरे हाफ में 329 स्कोर रहा। उन्होंने 72 निशानों में से 30 बार परफेक्ट 10 स्कोर किया। दीपिका का सामना अब दुनिया की 193वें नंबर की तीरंदाज भूटान की करमा से होगा जो रैंकिंग दौर में 56वें स्थान पर रही। पहले तीन स्थानों पर कोरियाई तीरंदाजों का दबदबा रहा। कोरिया की 20 वर्ष की अन सान 680 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रही जो ओलंपिक रिकॉर्ड भी है। इससे पहले ओलंपिक रिकॉर्ड 673 का था जबकि विश्व रिकॉर्ड 692 का है जो कांग चेइ वोंग के नाम है। क्वार्टर फाइनल में दीपिका की टक्कर अन सान से हो सकती है। तोक्यो टेस्ट टूर्नामेंट 2019 में दीपिका को हराने वाली अन सान ने 36 बार 10 स्कोर किया। जांग मिनही 677 अंक के साथ दूसरे और कांग चेइ वोंग 675 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। दीपिका 36 निशानों के बाद 334 अंक लेकर चौथे स्थान पर थी और वह कोरियाई दिग्गज कांग से आगे थी। इसके बाद दूसरे हाफ में दीपिका का प्रदर्शन खराब हुआ। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा प्रदर्शन अच्छा और बुरा दोनों था। यह बीच का रहा।' आखिरी छह सेट में खराब प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, 'मुझे पता नहीं कि ऐसा क्यो हुआ। मैं अपने शॉट्स पर नियंत्रण की कोशिश कर रही थी ताकि बेहतर खेल सकूं।'

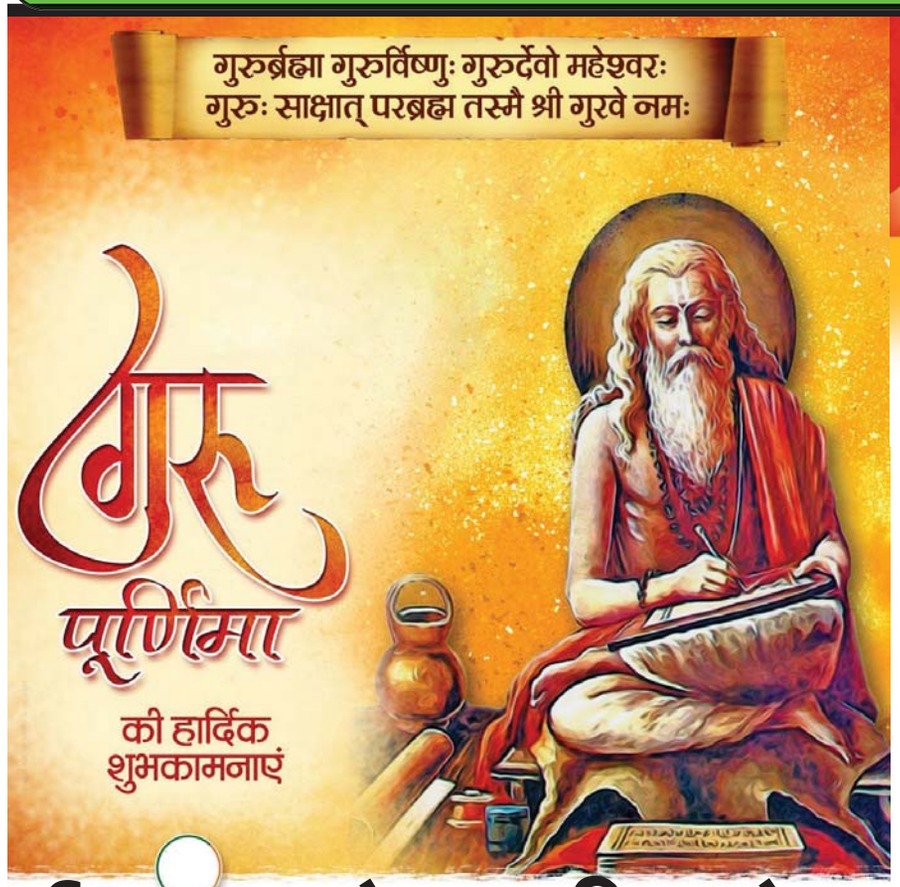


# ईश्वर और जीव के बीच की कड़ी है गुरु

हिन्दू धर्म ग्रंथ के अनुसार ये दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी होता है.बता दें कि संस्कृत के महान विद्वान होने के साथ-साथ महाभारत जैसा महाकाव्य भी उन्हीं की देन है.गुरु हमारे जीवन में उचित मार्गदर्शन करते हैं और हमें सही राह पर ले जाते हैं.हमारे जीवन में शिक्षा का प्रकाश लाने वाले हमारे गुरुओं के पास हमारे जीवन की असंख्य परेशानियों का हल होता है.हिन्दू धर्म में ईश्वर को सबसे ऊंचा दर्जा दिया गया है.लेकिन भगवान से भी ऊंचा दर्जा गुरु का माना जाता है.कहते हैं अगर भगवान किसी इंसान को श्राप दे दें तो गुरु हमें भगवान के श्राप से भी बचा सकते हैं. लेकिन अगर हमारे गुरु ने हमें कोई श्राप दे दिया तो उससे हमें भगवान भी नहीं बचा सकते.इसी के चलते कबीर जी के एक दोहे में कहा गया है-

**गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।**
**बलिहारी गुरू अपने गोविन्द दियो बताय।।**

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरू पूर्णिमा या व्यास पूजा भी कहा जाता है और आषाढ़ पूर्णिमा के ही दिन महर्षि व्यास का अवतरण भी हुआ था.महर्षि व्यास पाराशर ऋषि के पुत्र तथा महर्षि वशिष्ठ के पौत्र थे.महर्षि व्यास के अवतरण के इस दिन का महत्व इसलिए भी अधिक माना गया है क्योंकि महर्षि व्यास को गुरुओं का गुरू, अर्थात गुरुओं से भी श्रेष्ठ का दर्जा दिया गया है.यही वजह है कि आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को सभी शिष्य विशेष रूप से अपने-अपने गुरु की पूजा करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं.प्राचीन काल से ही इस दिन शिष्य पूरी श्रद्धा से अपने गुरु की पूजा का आयोजन करते हैं.इस दिन तमाम स्कूल, कॉलेजों में विशेष आयोजन किए जाते हैं.इस दिन अपने गुरु के साथ-साथ माता-पिता, भाई-बहन और अन्य बड़ों का आशीर्वाद अवश्य लेना चाहिए.

**गुरु पूर्णिमा तिथि प्रारंभ-**
शुक्रवार, 23 जुलाई को 10 :43 बजे से
**गुरु पूर्णिमा तिथि समाप्त-**
शनिवार, 24 जुलाई को 08 :06 बजे तक

## गुरु पूर्णिमा पूजन विधि

गुरु पूर्णिमा के दिन देश के कई मंदिरों और मठों में गुरुपद पूजन किया जाता है.हालांकि अगर आपके गुरु अब आपके साथ नहीं हैं या वे दिवंगत हो गए हैं तो आप इस तरह से गुरु पूर्णिमा के दिन उनका पूजन कर सकते हैं.गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान आदि करें और उसके बाद घर की उत्तर दिशा में एक सफेद कपड़ा बिछाकर उसपर अपने गुरु की तस्वीर रख दें.इसके बाद उन्हें माला चढ़ाएं और मिठाई का भोग लगाएं.अब उनकी आरती करें और जीवन की हर एक शिक्षा के लिए उनका आभार व्यक्त करें और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें.इस दिन सफेद रंग या पीले रंग के वस्त्र पहनकर पूजा करना शुभ माना गया है.इस दिन की पूजा में गुरु मंत्र अवश्य शामिल करें.

**गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु : गुरूर्देवो महेश्वर :।**
**गुरु : साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम :।।**

इस मंत्र का अर्थ है- गुरू ब्रह्मा हैं, गुरू विष्णु हैं, गुरू ही शंकर हैं.गुरु ही साक्षात परब्रह्म हैं.उन सद्गुरू को प्रणाम. गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु पूजन की यह विधि वे लोग भी अपना सकते हैं जो अपने गुरु से किसी कारणवश दूर रहते हों या फिर किसी कारण से वे अपने गुरु के पूजन-वंदन को नही जा सकते हैं.हां, अगर आप गुरु का पूजन वंदन करने जा रहे है तो अपने गुरु के पैर पर फूल अवश्य चढ़ाएं.उनके मस्तिष्क पर अक्षत और चंदन का तिलक लगाएं और उनका पूजन कर उन्हें मिठाई या फल भेंट करें.उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के लिए उनका आभार व्यक्त करें और उनका आशीर्वाद लें.

गुरु नहीं हैं तो भगवान विष्णु को अपना गुरु मानें और उनकी पूजा करें.वैसे तो ऐसा मुमकिन ही नहीं है कि किसी भी इंसान का कोई गुरु न हो लेकिन मान लीजिए कि किसी कारणवश आपके जीवन में कोई गुरु नहीं हैं तो आप गुरु पूर्णिमा के दिन क्या कर सकते हैं ?

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि हर गुरु के पीछे गुरु सत्ता के रूप में भगवान शिव को ही माना गया है.ऐसे में अगर आपका कोई गुरु नहीं हों तो इस दिन भगवान शिव को ही गुरु मानकर गुरू पूर्णिमा का पर्व मनाना चाहिए.आप भगवान विष्णु को भी गुरु मान सकते हैं.इस दिन की पूजा में भगवान विष्णु, जिन्हें गुरू का दर्जा दिया गया है या भगवान शिव की ऐसी प्रतिमा लें जिसमें वे कमल के फूल पर बैठे हुए हों.उन्हें फूल, मिठाई, और दक्षिणा चढ़ाएं.उनसे प्रार्थना करें कि वो आपको अपने शिष्य के रूप में स्वीकार करें.

## गुरु पूर्णिमा और व्यास पूजा का महत्व

हिन्दू धर्म ग्रंथ के अनुसार ये दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी होता है.बता दें कि संस्कृत के महान विद्वान होने के साथ-साथ महाभारत जैसी महाकाव्य भी उन्हीं की देन है.इसके अलावा महर्षि वेदव्यास को सभी 18 पुराणों का रचयिता भी हैं.इसके अलावा महर्षि वेदव्यास को ही वेदों के विभाजन का श्रेय दिया जाता है.यही वजह है कि इन्हें वेदव्यास के नाम से भी जाना जाता है.महर्षि वेदव्यास को आदिगुरू का भी दर्जा दिया गया है इसलिए कई जगहों पर गुरू पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा या व्यास पूजा के नाम से भी जाना जाता है.

## वर्षा ऋतु में ही क्यों मनाते हैं गुरु पूर्णिमा?

भारत में यूं तो सभी ऋतुओं का अपना अलग-अलग महत्व बताया गया है लेकिन गुरू पूर्णिमा को वर्षा ऋतु में ही क्यों मनाया जाता है.इसकी भी अपनी एक खास वजह है.दरअसल इस समय न ही ज्यादा गर्मी होती है और न ही ज्यादा सर्दी होती है.ऐसे में ये समय अध्ययन और अध्यापन के लिए सबसे अनुकूल और सर्वश्रेष्ठ माना गया है.

## ज्योतिष में गुरु पूर्णिमा का महत्व

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की तिथि गुरू पूर्णिमा अथवा व्यास पूर्णिमा के नाम से जानी जाती है.गुरू के प्रति पूर्ण सम्मान, श्रद्धा-भक्ति और अटूट विश्वास रखने से जुड़ा यहां पर वह न्यान अर्जन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है.मान्यता है कि गुरू अपने शिष्यों के आचार-विचारों को निर्मल बनाकर उनका उचित मार्गदर्शन करते हैं तथा इस नश्वर संसार के मायाजाल अहंकार, भ्रांती, अज्ञानता, दंभ, भय आदि दुर्गुणों से शिष्य को बचाने का प्रयास करते हैं.

## गुरु पूर्णिमा की ज्योतिष मान्यता

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस तिथि को चंद्र ग्रह, गुरू बृहस्पति की राशि धनु और शुक्र के नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा में होते हैं. क्योंकि चंद्रमा मन का कारक है, इसलिए मनुष्य का संबंध दोनों गुरुजनों से स्थापित होने से वह न्याय की ओर भी लक्षित होते हैं.वहीं दूसरी और आषाढ़ मास में आकाश घने बादलों से आच्छादित रहते हैं.अज्ञानता के प्रतीक इस बादलों के बीच से जब पूर्णिमा का चंद्रमा प्रकट होता है तो माना जाता है कि अदनान आता रूपी अंधकार दूर होने लगता है.इसलिए इस दिन पुराणों में रचीयता वेदव्यास और वेदों के व्याख्याता सुखदेव के पूजन की परंपरा है.अत : पूर्णिमा गुरू है, जबकि आषाढ़ शिष्य हैं.

सही क्या है गलत क्या है...
ये सबक पढ़ाते है आप...
झूठ क्या है और सच क्या है...
ये बात समझाते हैं आप...
जब सूझता नहीं कुछ भी हमको...
तब राहों को सरल बनाते है आप...

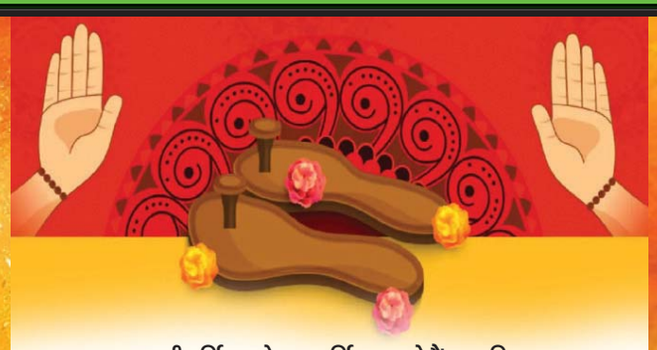

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है।

## साढ़ेसाती और ढैय्या से पीड़ित गुरू पूर्णिमा के दिन जरूर करें ये उपाय !

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरू पूर्णिमा कहा जाता है.माना जाता है कि इसी दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था.चूंकि गुरु वेद व्यास ने ही पहली बार मानव जाति को चारों वेद का ज्ञान दिया था, इसलिए उन्हें प्रथम गुरू मानते हुए उनकी जन्मतिथि को गुरू पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है.इस बार गुरू पूर्णिमा 24 जुलाई को मनाया जाएगा. इस बार गुरू पूर्णिमा के दिन शनि पूजा का खास योग बन रहा है, ऐसे में साढ़ेसाती और ढैय्या से पीड़ित लोग कष्टों से मुक्ति के लिए खास उपाय कर सकते हैं.ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार गुरू पूर्णिमा के दिन शनिदेव की पूजा का भी विशेष योग बन रहा है.ऐसे में 5 राशि के लोग जो इस समय शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से गुजर रहे हैं, उनके लिए साढ़ेसाती और ढैय्या के कष्टों से मुक्ति पाने का ये विशेष अवसर है.गुरू पूर्णिमा के दिन ऐसे लोग शनिदेव से जुड़े कुछ उपाय करके खुद को तमाम कष्टों से बचा सकते हैं.

## इन राशियों पर चल रही साढ़ेसाती और ढैय्या

ज्योतिष विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय तीन राशियां धनु, मकर और कुंभ शनि की साढ़ेसाती का प्रकोप झेल रही हैं.शनि साढ़ेसाती के दौरान व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है.वहीं दो राशियों मिथुन और तुला राशि पर शनि की ढैय्या चल रही है.शनि जब किसी राशि पर ढाई वर्ष का समय लेते हैं तो उसे शनि की ढैय्या कहा जाता है.इस दौरान व्यक्ति को दांपत्य जीवन, लव रिलेशनशिप और करियर आदि में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

## इन उपायों से दूर होंगे संकट

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को सरसों का तेल लगी रोटी खिलाएं. अगर काला कुत्ता न मिला तो किसी भी कुत्ते को खिला सकते हैं.
- जल में काले तिल डालकर महादेव का जलाभिषेक करें.मान्यता है कि शनिदेव महादेव को अपना गुरू मानते हैं.ऐसे में उनकी पूजा करने वालों को वे कष्ट नहीं देते.
- पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं.अगर आसपास कोई शनि मंदिर हो तो एक दीपक वहां भी रखें.
- सरसों का तेल, काले तिल, लोहा, काली दाल, काले वस्त्र आदि किसी जरूरतमंद को दान करें.
- हनुमान बाबा की आराधना करें.कहा जाता है कि हनुमान जी की आराधना करने वाले लोगों को शनिदेव नहीं सताते.आप इस दिन हनुमान जी के समक्ष दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें.
- पीपल के पेड़ के चारों तरफ सात बार परिक्रमा करते हुए ऊं शं शनैश्चराय नम : मंत्र का जाप करें.ऐसा गुरू पूर्णिमा के अलावा शनिवार के दिन भी करें.

# गुरु साक्षात परब्रम्ह...

हमेशा से गुरुओं को माता पिता के बराबर माना गया है। गुरु के ज्ञान के बिना कोई भी इंसान जीवन में कुछ भी नहीं कर सकता। एक अच्छा गुरु हमें अच्छा जीवन के कठिन रास्तों को सरल बनाने में मदद करता है। हर साल गुरु शिष्य के इसी रिश्तें को गुरु पूर्णिमा के दिन सेलिब्रेट किया जाता है। यह दिन सभी छात्रों के जीवन में बहुत महत्व रखता है। अगर आप भी चाहें तो इस साल अपने गुरुओं को गुरु दक्षिणा के तौर पर सुबह सवेरे गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। इस साल गुरु पूर्णिमा का खास पर्व 24 जुलाई को पड़ेगा। महऋषि वेद व्यास के जन्मदिन के अवसर पर यह गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। वेद व्यास जी श्रीमद्भागवत, महाभारत, ब्रह्मसूत्र, मीमांसा के अलावा 18 पुराणों के भी रचियता माने जाते हैं। यही कारण है उन्हें आदि गुरु के नाम से भी संबोधित किया जाता है। शास्त्रों में गुरु के पद को भगवान से भी बड़ा दर्जा दिया गया है यानी गुरु भगवान से भी ऊपर है। इसलिए गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु का विशेष पूजन करने का विधान है। इस दिन गुरुओं को गुरु दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद लेने की परंपरा है। कुछ लोग इस दिन मुहूर्त के अनुसार ही पूजा करना पसंद करते हैं।

## द्रोणाचार्य

द्रोणाचार्य और अर्जुन की जोड़ी उन गुरु शिष्य की जोड़ी में से एक हैं जिसे कोई नहीं भूल सकता। द्रोणाचार्य कौरवों और पांडवों के राजगुरु थे। महाभारत में धृतराष्ट्र और गांधारी के 100 पुत्रों और राजा पांडु के 5 पुत्र इनके शिष्य थे। द्रोणाचार्य एक महान धनुर्धर गुरु थे गुरु द्रोण का जन्म एक द्रोणी यानि एक पात्र में हुआ था और इनके पिता का नाम महर्षि भारद्वाज था और ये देवगुरु बृहस्पति के अंशावतार थे। द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों में कोई भेद नहीं किया लेकिन फिर भी अर्जुन उनके सबसे प्रिय शिष्य बन गए। अर्जुन सबसे अच्छे धनुर्धर माने जाते थे। जब महाभारत का युद्ध शुरु हुआ, तो अर्जुन उस समय संकट में फंस गए जब उनके गुरु द्रोणाचार्य उनके विरोधी सेना में खड़े थे। हालांकि तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन की इस दुविधा का समाधान निकाला और पांडव युद्ध जीत गए। तबसे द्रोणाचार्य और अर्जुन को सबसे नामचीन गुरु शिष्य की जोड़ी माना जाता है।

## महर्षि वेदव्यास

विद्वान ज्ञानी महर्षि वेदव्यास का नाम भी नामचीन गुरुओं में शामिल है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार महर्षि वेदव्यास को भगवान विष्णु का अवतार भी माना जाता है। महर्षि वेदव्यास ने 18 पुराणों और महाकाव्य महाभारत की रचना की थी। महर्षि के शिष्यों में ऋषि जैमिन, वैशम्पायन, मुनि सुमन्तु, रोमहर्षण आदि शामिल थे। हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार महर्षि व्यास त्रिकालज्ञ थे यानी उन्हें तीनों युगों का भरपूर ज्ञान था। महर्षि व्यास का पूरा नाम कृष्णद्वैपायन है। उन्होंने वेदों का विभाग किया था इसलिए उनको व्यास या वेदव्यास कहा जाने लगा।

## गुरु विश्वामित्र

विश्वामित्र महान भृगु ऋषि के वंशज थे। हिन्दू पौराणिक कथनों में कई बार आपको गुरु विश्वामित्र के बारे में सुनने को मिल जायेगा। गुरु विश्वामित्र के प्रिय शिष्यों में भगवान राम और लक्ष्मण थे। विश्वामित्र ने ही भगवान श्री राम और लक्ष्मण को शास्त्रों और शास्त्र का पाठ पढ़ाया था। एक बार देवताओं से नाराज होकर उन्होंने अपनी एक अलग सृष्टि की रचना कर डाली थी। प्रजापति के पुत्र कुश, कुश के पुत्र कुशनाभ और कुशनाभ के पुत्र राजा गाधि थे। विश्वामित्र जी उन्हीं गाधि के पुत्र थे। विश्वामित्र शब्द विश्व और मित्र से बना है जिसका अर्थ है- सबके साथ मैत्री अथवा प्रेम। अपने नाम की तरह ही गुरु विश्वामित्र का स्वभाव भी था।

# पानी पियो छानकर गुरु बनाओ जानकर

हिन्दू पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास की पूर्णिमा को आषाढ़ी और गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान तथा दान-पुण्य करने का महत्व बताया गया है।

- यह कहावत प्रचलित है कि पानी पियो छान कर गुरु बनाओ जानकर। मतलब यह कि यदि पानी खराब पी लिया तो उल्टी दस्त लग जाएंगे और आप बीमार भी पड़ सकते हो। इसी तरह यदि गुरु बगैर जाने परखे बना लिया तो आपकी पूरी जिंदगी ही बीमार पड़ जाएगा और इसका आपको पता भी नहीं चलेगा।
- 'गु' शब्द का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' शब्द का अर्थ है प्रकाश ज्ञान। अज्ञान को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश है, वह गुरु है। इसीलिए गुरु का ब्रह्मज्ञानी होना जरूरी है। ब्रह्मज्ञानी के मुख पर तेज होता है।
- गुरु क्या है, कैसा है और कौन है यह जानने के लिए उनके शिष्यों को जानना जरूरी होता है और यह भी कि गुरु को जानने से शिष्यों को जाना जा सकता है, लेकिन ऐसा सिर्फ वही जान सकता है जो कि खुद गुरु है या शिष्य। गुरु वह है जो जान-परखकर शिष्य को दीक्षा देता है और शिष्य भी वह है जो जान-परखकर गुरु बनाता है।
- यह जानना जरूरी है कि आखिर में हम जिसे गुरु बना रहे हैं तो क्या उसके विचारों से, चमत्कारों से या कि उसके आसपास भक्तों की भीड़ से प्रभावित होकर उसे गुरु बना रहे हैं और कहीं ऐसा तो नहीं कि आप अपना व्यापारिक स्वार्थ साधने के लिए उसे गुरु बना रहे हैं। यदि ऐसा है तो आप सही मार्ग पर नहीं हैं।
- बहुत साधारण से लोग हमें गुरु नहीं लगते, क्योंकि वे तामझाम के साथ हमारे सामने प्रस्तुत नहीं होते हैं। वे ग्लैमर की दुनिया में नहीं है और वे तुम्हारे जैसे तर्कशील भी नहीं है। वे बहस करना तो कतई नहीं जानते। तुम जब तक उसे तर्क या स्वार्थ की कसौटी पर कस नहीं लेते तब तक उसे गुरु बनाते भी नहीं। लेकिन अधिकांश ऐसे हैं जो अंधे भक्त हैं, तो स्वाभाविक ही है कि उनके गुरु भी अंधे ही होंगे। मान जा सकता है कि वर्तमान में तो अंधे गुरुओं की जमात है, जो ज्यादा से ज्यादा भक्त बटोरने में लगी है। भागवत कथा बांचने वाला या चार वेद या फिर चार किताब पढ़कर प्रवचन देने वाला गुरु नहीं होता। किताब, चूरण, ऑडियो-वीडियो कैसेट, माला या ध्यान बेचने की नौकरी देने वाला भी गुरु नहीं होता।
- आजकल तो कोई भी व्यक्ति किसी को भी गुरु बनाकर उसकी घर में बड़ीसी फोटो लगाकर पूजा करने लगा है और ऐसा वह इसलिये करता है क्योंकि वह भी उसी गुरु की तरह गुरु घंटाल होता है। कथावाचक भी गुरु है और दुष्कर्मी भी गुरु हैं। आश्रम के नाम पर भूमि हथियाने वाले भी गुरु हैं और मीठे-मीठे प्रवचन देकर भी गुरु बन जाते हैं। इनके धनबल, प्रवचन और शिष्यों की संख्या देखकर हर कोई इनका शिष्य बनना चाहेगा क्योंकि सभी के आर्थिक लाभ जुड़े हुए हैं।
- ओशो रजनीश कहते हैं गुरु की खोज बहुत मुश्किल होती है। गुरु भी शिष्य को खोजता रहता है। बहुत मौके ऐसे होते हैं कि गुरु हमारे आसपास ही होता है, लेकिन हम उसे ढूंढ़ते हैं किसी मठ में, आश्रम में, जंगल में या किसी भव्य प्रेस कांफ्रेंस में या प्रवचनों के तामझाम में।
- कुछ लोग कहते हैं कि शास्त्रों अनुसार और गुरु-शिष्य की परंपरा अनुसार पता चलता है कि गुरु वह होता है जो आपकी नींद तोड़ दे और आपको मोक्ष के मार्ग पर किसी भी तरह धकेल दे। हालांकि कहा जा सकता है कि जो भी जिस भी प्रकार की शिक्षा दे वह सभी गुरु ही होते हैं। गुरु द्रोण ने धनुष विद्या की शिक्षा दी, तो क्या वे गुरु नहीं थे? क्या जो सिर्फ मोक्ष का मार्ग ही दिखाए वहीं गुरु होते हैं, जो डॉट नेट, डॉक्टरी या इंजीनियरिंग सिखाए वे गुरु नहीं होते?
- वैसे तो हमारे जीवन में कई जाने-अनजाने गुरु होते हैं जिनमें हमारे माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है फिर शिक्षक और अन्य। लेकिन असल में गुरु का संबंध शिष्य से होता है न कि विद्यार्थी से। आश्रमों में गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह होता रहा है।
- जैन धर्म में कहा गया है कि साधु होना सिद्धों या अरिहंतों की पहली सीढ़ी है। अभी आप साधु ही नहीं हैं और गुरु बनकर दीक्षा देने लगे तो फिर सोचो ये कैसे गुरु। कबीर के एक दोहे की पंक्ति है- 'गुरु बिन ज्ञान ना होए मोरे साधु बाबा।' उक्त पंक्ति से ज्ञात होता है कि कबीर साहब कह रहे हैं किसी साधु से कि गुरु बिन ज्ञान नहीं होता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### दक्षिण-पूर्वी एशिया में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, इन तीन देशों में बढ़ा मृत्युदर

कुआलालंपुर। कोरोना वायरस की नयी लहर में दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है और बीते दो सप्ताह में यहां के कम से कम तीन देशों में मृत्युदर भारत से अधिक हो गई है। लगभग 27 करोड़ की आबादी के साथ दुनिया के चौथे सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश इंडोनेशिया में बृहस्पतिवार को मौत के 1,449 मामले सामने आए, जो महामारी फैलने के बाद से एक दिन में मृतकों की सबसे अधिक संख्या है। मलेशिया में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन पाबंदियां भी संक्रमण पर लगाम लगाने में नाकाफी साबित हुईं। लगभग 3 करोड़ 20 लाख की आबादी वाले इस देश में संक्रमण के मामलों में रोजाना वृद्धि देखी जा रही है। देश में पहली बार 13 जुलाई को संक्रमण के 10 हजार से अधिक मामले सामने आए। म्यांमा के सबसे बड़े शहर में कब्रिस्तान के कर्मी दिन रात काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य प्रणालियां हालात से निपटने के लिए संघर्ष कर रही हैं जबकि सरकारें वायरस को फैलने से रोकने के लिये नयी पाबंदियां लगाने को लेकर असमंजस में हैं। टीकाकरण की प्रक्रिया फिलहाल भले ही धीमी है, लेकिन धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। इस बात को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं कि चीन के सिनोवेक टीके डेल्टा वेरिएंट पर कम असरदार हैं। इंडोनेशिया और थाइलैंड अन्य टीकों की बूस्टर खुराकें देने की योजना बना रहे हैं। मलेशिया में टीकाकरण की दर धीमी रही है। लगभग 15 प्रतिशत आबादी को पूरी तरह टीके लगाए जा चुके हैं।सरकार को उम्मीद है कि इस साल के अंत तक अधिकतर लोगों को टीका लगा दिया जाएगा।

### ऑस्ट्रेलिया में डेल्टा का खौफ, न्यू साउथ वेल्स में आपातकाल की घोषणा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य की सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा कर दी है। न्यू साउथ वेल्स की राज्य सरकार के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 136 नए मामले सामने आए और संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हुई। मध्य जून में संक्रमण के कहर के बढ़ने के बाद सामने आए ये सर्वाधिक मामले हैं। प्रीमियर ग्लैडीस बेरेजिक्लियन ने सिडनी के पश्चिम और दक्षिण में बुरी तरह प्रभावित उपनगरों के लिए और अधिक टीके उपलब्ध कराने का संघीय सरकार से आह्वान किया है। सिडनी में करीब एक माह से लॉकडाउन लगा है। कोविड-19 का 'डेल्टा' स्वरूप सिडनी से विक्टोरिया और फिर वहां से साउथ वेल्स राज्य में फैला। इन राज्यों में भी लॉकडाउन लगा है। ऑस्ट्रेलिया की 2.6 करोड़ की आबादी में से आधी आबादी लॉकडाउन का सामना कर रही है जबकि केवल 15 प्रतिशत वयस्क लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है।

### दक्षिण कोरिया, अमेरिका ने सियोल में उप विदेश मंत्री स्तरीय बैठक की

सियोल। दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्री चोई जोंग-कुन और अमेरिका के दौरे पर आए अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेर्मन ने शुक्रवार को सियोल में दक्षिण कोरिया-अमेरिका उप विदेश मंत्री स्तरीय रणनीतिक वार्ता के नौवें दौर का आयोजन किया। सियोल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान, चोई और शर्मन ने व्यापक रूप से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ-साथ कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार मंत्रालय के हवाले से कहा कि दोनों राजनयिकों ने प्रायद्वीप में पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण और स्थायी शांति समझौते में ठोस प्रगति के लिए उत्तर कोरिया के साथ बातचीत और जुड़ाव के महत्व की पुष्टि की। चोई के साथ शानदार रणनीतिक बातचीत के बाद, शर्मन ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में कहा, हमने यूएस-दक्षिण कोरिया संबंधों के बारे में बात की, कोविड -19 महामारी को समाप्त करने और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और भारत-प्रशांत सुरक्षा जैसे बहुपक्षीय मुद्दों पर हमारे सहयोग और समृद्धि के बारे में बात की। एक मित्र और सहयोगी के रूप में, एक साथी लोकतंत्र और एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में, दक्षिण कोरिया अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हमारे दोनों देश एक साथ काम करके पूरा नहीं कर सकते। चोई और उनके जापानी समकक्ष ताकेओ मोरी के साथ टोक्यो में त्रिपक्षीय बैठक के बाद शर्मन बुधवार को तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचीं।

### थाईलैंड अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों को लुभाने के लिए नए प्रोत्साहन पर कर रहा विचार

बैंकॉक, 23 जुलाई (आईएएनएस)। थाईलैंड, अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम कदम में एक आइलैंड होपिंग पर्यटन कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रहा है, जो फुकेट के रिसॉर्ट द्वीप में आने वाले विदेशी यात्रियों को पर्यटन क्षेत्र में हॉप करने की अनुमति देगा। समाचार एजेंसी ने आर्थिक स्थिति प्रशासन केंद्र के प्रवक्ता थानाकोर्न वांगबूनखोंगचाना के हवाले से गुरुवार को कहा कि फुकेट में सात दिन के प्रवास के बाद पूरी तरह से टीका लगाए गए अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को क्राबी, फांग नगा या कोह समुई सहित अन्य समुद्र तटीय स्थलों की यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। थानाकोर्न के अनुसार, वे सात दिनों के लिए दूसरे गंतव्य पर रहने के बाद थाईलैंड के अन्य हिस्सों में जा सकते हैं। देश के वर्तमान फुकेट सैंडबॉक्स रीओपनिंग प्रोग्राम के तहत, जो 1 जुलाई से लागू हुआ, पूरी तरह से टीका लगाए गए विदेशी आगंतुक बिना क्वारंटीन के द्वीप में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन उन्हें देश में कहीं और जाने से पहले कम से कम 14 रातों के लिए फुकेट में रहना होगा। थानाकोर्न के अनुसार, नया समायोजन 1 अगस्त से प्रभावी हो सकता है। गुरुवार की घोषणा के रूप में थाईलैंड ने लगातार दूसरे दिन कोविड -19 संक्रमणों की रिकॉर्ड संख्या दर्ज की है। सेंटर फॉर कोविड -19 सिचुएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, गुरुवार को देश ने 13,655 नए मामलों की पुष्टि की, महामारी शुरू होने के बाद से सबसे अधिक एकल-दिन की संख्या, संक्रमण की कुल संख्या 453,132 हो गई।

# मध्य चीन में बाढ़ के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 51 हुई

**बीजिंग। (एजेंसी)।**

मध्य चीन में सदियों की सबसे भारी बारिश के बाद आयी बाढ़ में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गयी है और 10 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान जताया गया है। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय आपात प्रबंधन विभाग ने बताया कि करीब 1000 वर्षों में सबसे भारी बारिश के कारण हेनान प्रांत में करीब 30 लाख लोग प्रभावित हुए और कुल 376,000 स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सरकारी 'चाइना डेली' अखबार ने स्थानीय प्राधिकारियों के हवाले से बताया कि झेंगझोउ की प्रांतीय राजधानी हेनान में बारिश और बाढ़ के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 51 हो गयी है।

आर्थिक नुकसान बढ़कर 10 अरब डॉलर तक हो गया है। करीब 1.2 करोड़ की आबादी वाले झेंगझोउ शहर में जनजीवन सामान्य हो रहा है और बचावकर्मी बाढ़ में फंसे हजारों लोगों की मदद कर रहे हैं। अस्पतालों के बाढ़ में डूबने के कारण बृहस्पतिवार को अधिकारी मरीजों को बचाने के लिए रवाना हुए। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, झेंगझोउ ने अपनी आपात प्रतिक्रिया का स्तर कम कर दिया है लेकिन हेनान प्रांत के अन्य हिस्सों में अब भी बारिश कहर बरपा रही है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि शहर में 8,000 से अधिक सैन्य कर्मियों ने 10 अलग-अलग खतरे वाले क्षेत्रों में काम किया।

आवश्यक सामान की आपूर्ति के लिए शहर में दान केंद्र बनाए गए हैं। इस बीच, पांच बचाव दल बाढ़ में फसं लोगों या घायलों की मदद करने के लिए आसपास के गांवों का दौरा कर रहे हैं और वे सड़कों से बाढ़ के पानी की निकासी के लिए रात-दिन काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि शहर के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण आयी बाढ़ से सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, लोग और वाहन बह गए। बाढ़ में सैकड़ों कार बह गयीं।

## पाकिस्तान ने भारत द्वारा पेगासस के इस्तेमाल पर चिंता जताई, यूएन से जांच की मांग की

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।**

पाकिस्तान ने मीडिया में आई उन खबरों पर ''गंभीर चिंता'' व्यक्त की है जिनमें कहा गया है कि भारत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान सहित विदेशियों की इजराइल के स्पाईवेयर पेगासस के जरिए कथित तौर पर जासूसी की है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र से मामले की जांच कराने का अनुरोध भी किया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार खान इजराइल की कंपनी एनएसओ द्वारा निर्मित स्पाईवेयर पेगासस के जरिए निशाने पर थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर भारत के कथित जासूसी मामले में मीडिया के सवालों पर जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हमने अंतरराष्ट्रीय मीडिया की उन खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है जिनमें भारत सरकार द्वारा अपने नागरिकों, विदेशी नागरिकों तथा प्रधानमंत्री इमरान खान की इजराइल के स्पाईवेयर के जरिए जासूसी अभियान चलाने का भंडाफोड़ किया गया है।'' बयान में कहा गया,'' हम इस खुलासे पर करीब से नजर रख रहे हैं और वैश्विक मंच का ध्यान भारत के इस कृत्य की ओर आकर्षित करेंगे।'' पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र की संबंधित इकाइयों से मामले की गहन जांच करने की भी मांग की और ''तथ्यों को सामने लाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।'' वहीं भारत ने सोमवार को पेगासस जासूसी से जुड़े सभी आरोपों को खारिज किया था और कहा था कि भारतीय लोकतंत्र को ''नुकसान'' पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

# अमेरिकी दबाव के बावजूद नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन परिचालन शुरू करेगी: रूसी प्रवक्ता

**मॉस्को (एजेंसी)।**

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि परियोजना का राजनीतिकरण करने के अमेरिका के प्रयास के बावजूद नॉर्ड स्ट्रीम 2 प्राकृतिक गैस पाइपलाइन जल्द ही चालू हो जाएगी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्ड स्ट्रीम 2 से यूरोपीय ऊर्जा सुरक्षा और यूक्रेन को होने वाले जोखिम को कम करने के उपायों पर अमेरिका और जर्मनी की सहमति के एक दिन बाद गुरुवार को जखारोवा ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी दबाव में किए गए अजीब फैसलों के बावजूद, जैसा कि हाल ही में जर्मन-अमेरिकी वार्ता के दौरान हुआ था, वे उद्देश्य की वास्तविकता को बदलने में सक्षम नहीं हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि रूस को विश्वास है कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 परियोजना मजबूती से काम करेगी, यूरोपीय उपभोक्ताओं को सस्ती ऊर्जा प्रदान करेगी और महाद्वीप की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी। अगले महीने पूरी होने वाली 1,230 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन, बाल्टिक सागर के माध्यम से रूस से जर्मनी में सालाना 5500 करोड़ क्यूबिक मीटर गैस लाएगी। वाशिंगटन पाइपलाइन के कार्यान्वयन को बाधित करके अपने स्वयं के भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों का पीछा कर रहा है, लेकिन यह परियोजना यूरोप के लिए फायदेमंद है। जखारोवा ने कहा, रूस पूरी तरह से ऊर्जा सहयोग के राजनीतिकरण के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और जर्मनी द्वारा जारी संयुक्त बयान से, यह हमारे लिए स्पष्ट हो गया है कि कौन यूक्रेनी ईंधन और ऊर्जा परिसर के विकास को नियंत्रित करने का इरादा रखता है। अमेरिका ने लंबे समय से दावा किया है कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 मास्को द्वारा एक भू-राजनीतिक युद्धाभ्यास है जो यूरोप में ऊर्जा को स्थानांतरित करने और रूसी गैस पर यूरोपीय निर्भरता को बढ़ाने में यूक्रेन की भूमिका को कमजोर करेगा। जर्मनी और रूस ने जोर देकर कहा कि यह परियोजना विशुद्ध रूप से व्यावसायिक है। बुधवार का समझौता जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल की पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस की यात्रा के कुछ दिनों बाद आया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा कि दोनों सहयोगी यूरोप में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक उपाय विकसित कर रहे हैं।

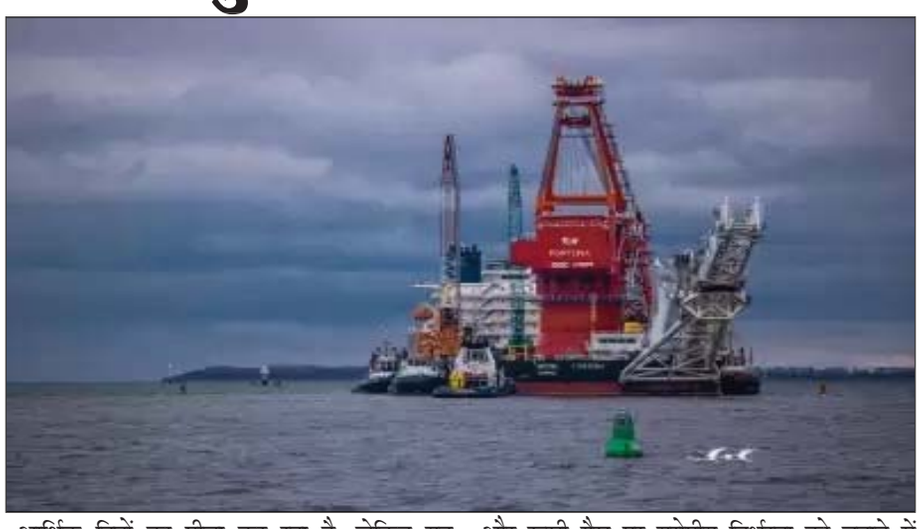

# तालिबान की मांग- शांति समझौते पर पहुंचने के लिए अफगानिस्तान के राष्ट्रपति को छोड़नी होगी सत्ता

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

तालिबान ने कहा कि वह सत्ता पर एकाधिकार नहीं चाहता ,लेकिन अफगानिस्तान में तब तक शांति नहीं हो सकती जब तक राष्ट्रपति अशरफ गनी सत्ता से नहीं हट जाते और देश में बातबीच के जरिए नयी सरकार नहीं बन जाती। तालिबान के प्रवक्ता सुहेल शाहीन ने एसोसिएटेड प्रेस के साथ साक्षात्कार में यह बात कही।शाहीन वार्ता दल के सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा कि तालिबान उस वक्त हथियार डाल देगा जब गनी की सरकार चली जाएगी और ऐसी सरकार सत्ता संभालेगी जो संघर्ष में शामिल सभी पक्षों को मंजूर हो।

शाहीन ने कहा,'' मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सत्ता पर एकाधिकार में विश्वास नहीं रखते क्योंकि कोई भी सरकार, जिसने अतीत में अफगानिस्तान में सत्ता पर एकाधिकार रखने मंशा की, वह सफल सरकार साबित नहीं हुई।'' उन्होंने इस आकलन में प्रत्यक्ष तौर पर तालिबान के खुद के पांच वर्ष के कार्यकाल को भी शामिल किया। साथ ही कहा,'' इसलिए हम वही फॉर्मूला दोहराना नहीं चाहते।'' तालिबान प्रवक्ता ने इस दौरान गनी को युद्ध को उकसाने वाला करार दिया और आरोप लगाया कि बकरीद के पर्व पर मंगलवार को उन्होंने जो भाषण दिया था उसमें उन्होंने तालिबान के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया था। पिछले सप्ताह सरकार में नबंर दो की हैसियत रखने वाले अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने दोहा में तालिबान नेताओं के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की।

इस वार्ता में बातचीत जारी रखने और नागरिकों की सुरक्षा तथा देश के ढांचे को सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया था। शाहीन ने इस वार्ता को अच्छी शुरूआत बताया, साथ ही कहा कि सरकार का लगातार संघर्ष विराम की मांग करना, वह भी गनी के सत्ता में रहते हुए, तालिबान से आत्मसमर्पण की मांग करने के बराबर है। उन्होंने कहा,''वे सामंजस्य नहीं चाहते, वे आत्मसमर्पण चाहते हैं।'' उन्होंने कहा ,''संघर्ष विराम से पहले नयी सरकार पर सहमति बने जो हमें और अन्य अफगानियों को स्वीकार्य हो और फिर कोई युद्ध नहीं होगा।'' शाहीन ने कहा कि इस नयी सरकार के तहत महिलाओं को काम करने, स्कूल जाने और राजनीति में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन उन्हें हिजाब या सिर पर स्कार्फ लगाना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को घरों से निकलने के लिए अपने साथ किसी पुरुष रिश्तेदार की आवश्यकता नहीं होगी, और तालिबान कमांडरों के आदेश हैं कि नए कब्जे वाले जिलों मेंविश्वविद्यालय, स्कूल और बाजार पहले की तरह संचालित हों, जिसमें महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी भी शामिल है।

# पेगासस जासूसी मामले में चौतरफा आलोचना मिलने के बाद इजराइल ने गठित की समिति

**यरूशलम। (एजेंसी)।**

पेगासस जासूसी मामले में चौतरफा आलोचना के बीच इजराइल ने एनएसओ समूह के निगरानी सॉफ्टवेयर के दुरुपयोग के आरोपों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने के साथ साथ ÷लाइसेंस देने के पूरे मामले की संभावित समीक्षा÷ का संकेत दिया है। भारत समेत अन्य देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार समर्थकों, नेताओं और अन्य की जासूसी करने के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के कथित उपयोग ने निजता से संबंधित मुद्दों को लेकर चिंता खड़ी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ के मुताबिक, इजराइली कंपनी द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए फोन स्पाईवेयर (जासूसी सॉफ्टवेयर) के जरिए नेताओं, अधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को निशाना बनाया गया।

नेसेट (इजराइली संसद) के विदेश मामलों एवं रक्षा समिति के प्रमुख रैम बेन बराक ने बृहस्पतिवार को 'आर्मी रेडियो' को बताया, 'रक्षा प्रतिष्ठान ने कई निकायों की मदद से बनी एक समीक्षा समिति नियुक्त की है।÷ पूर्व में इजराइल की मोसाद जासूसी एजेंसी के उपप्रमुख रह चुके बेन बराक ने कहा, 'वे जब अपनी समीक्षा पूरी कर लेंगे, हम परिणाम देखने की मांग करेंगे और इस बारे में विचार मंथन करेंगे कि क्या हमें सुधार करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि इजराइल की प्राथमिकता 'लाइसेंस दिए जाने की इस पूरी प्रक्रिया की समीक्षा करना है।' एनएसओ के पूर्व कार्यकारी शेलेव हुलियो ने इस कदम का स्वागत किया और आर्मी रेडियो से कहा कि वह 'बहुत खुश होंगे अगर जांच होती है तो... ताकि हम खुद पर लगे इल्जामों को हटा सकें।' हुलियो ने दावा किया कि पूरे इज़राइली साइबर उद्योग पर धब्बा लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

बेन बराक ने कहा कि पेगासस ने 'कई आतंकवादी प्रकोष्ठों का भंडाफोड़÷ करने में मदद की है लेकिन 'अगर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है या इसे गैर-जिम्मेदार निकायों को बेचा जा रहा है तो यह कुछ ऐसा है जिसकी जांच जरूरी है।' एनएसओ प्रमुख ने आर्मी रेडियो से कहा कि 'गोपनीयता के मुद्दों' के चलते उनकी कंपनी अपने अनुबंधों के ब्योरों का खुलासा नहीं कर सकती लेकिन 'वह अधिक जानकारी मांगने वाली किसी भी सरकार को पूर्ण पारदर्शिता प्रदान करेंगे।

# फिलिस्तीन ने इजरायल के उल्लंघन की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र परिषद के कदम का स्वागत किया

**रमाल्हा (एजेंसी)।**

फिलिस्तीन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के इस्राइली उल्लंघनों की जांच के लिए एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय आयोग के गठन के फैसले का स्वागत किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि परिषद का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय कानून को लागू करने और फिलिस्तीनी मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की दृढ़ता को दर्शाता है।

बयान में कहा गया है, आयोग का गठन विशेष सत्र संख्या 30 के दौरान परिषद में फिलिस्तीन के फैसले के कार्यान्वयन में आया था। मंत्रालय ने कहा कि आयोग 13 अप्रैल से फिलिस्तीनी क्षेत्रों में मानवीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के इजरायली उल्लंघनों को देखेगा। गुरुवार को मानवाधिकार परिषद के अध्यक्ष नजहत शमीम खान ने अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र पर जांच आयोग के तीन सदस्यों के रूप में नवी पिल्ले, मिलून कोठारी और क्रिस सिदोती की नियुक्ति की घोषणा की। खान ने आगे कहा कि पिल्ले, एक दक्षिण अफ्रीकी, जो परिषद के पूर्व प्रमुख थे, नए तीन-व्यक्ति आयोग के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे, जिसे आवर्ती तनाव, अस्थिरता और संघर्ष के फैलाव के सभी अंतर्निहित मूल कारणों की जांच करने का भी काम सौंपा गया था। जवाब में, इजरायल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कदम मई में गाजा पट्टी से इजरायली नागरिकों की ओर दागे गए 4,300 रॉकेटों की पूरी तरह से अनदेखी करता है। अप्रैल में, पूर्वी यरुशलम में तनाव बढ़ गया था और फिर मई में शहर के शेख जर्राह पड़ोस में परिवारों को उनके घरों से बेदखल करने के इजरायली अदालत के फैसले के बाद वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में फैल गया। 10 मई को, इस्लामिक हमास आंदोलन के नेतृत्व में आतंकवादियों द्वारा इजरायल पर रॉकेटों की बौछार शुरू करने के बाद, इजरायल ने गाजा पट्टी पर बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। 11 दिनों की लड़ाई के बाद आक्रामक समाप्त हो गया जब मिस्र ने दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता की। गाजा में इमारतों और बुनियादी ढांचे के व्यापक विनाश के साथ 250 से अधिक फिलिस्तीनी और 13 इजरायली मारे गए।

# चौथी लहर का सामना कर रहा पाकिस्तान, 10 लाख के पार हुए कोरोना के मामले

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 1,425 नए मामले सामने आने के देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10 लाख के पार चली गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि देश में अब संक्रमण के मामले बढ़कर 10,00,034 हो गए हैं। वहीं, एक दिन में 11 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 22,939 हो गई।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' पाकिस्तान में संक्रमण के कुल मामले अब 10,00,034 और मृतक संख्या 22,939 है।'' अधिकारियों ने पिछले 24 घंटे में 25,215 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की और नमूनों के संक्रमित आने की दर 5.56 प्रतिशत है। एक दिन पहले नमूनों के संक्रमित आने की दर 6.31 प्रतिशत थी। पाकिस्तान इस समय वैश्विक महामारी की चौथी लहर का सामना कर रहा है, जिसका कहर इस माह की शुरुआत में शुरू हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बंगाल की खाडी में लो प्रेशर सक्रिय होने से 26 जुलाई तक राज्य में होगी झमाझम बारिश

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,बंगाल की खाडी में लो प्रेशर सक्रिय होने से गुजरात में 26 जुलाई तक झमाझम बारिश होने का अनुमान है। राज्य के कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती के मुताबिक गुजरात कई जिलों में अब भी बारिश का इंतजार किया जा रहा है। आगामी दिनों में इन जिलों में बारिश होने की संभावना है। 24 से 26 जुलाई के दौरान राज्य में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। 24 जुलाई को दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड, भरुच, डांग, तापी, दमन और दादरा नगर हवेली, सौराष्ट्र के जामनगर, मोरबी, देवभूमि द्वारका के अलावा कच्छ, उत्तरी गुजरात के बनासकांठा, पाटन, अरवल्ली, मध्य गुजरात के आणंद, दाहोद, महीसागर, इत्यादि जिलों में भारी से अतिभारी बारिश होगी। 25 जुलाई को भरुच, सूरत, नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली, पोरबंदर, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, आणंद, छोटाउदेपुर, नर्मदा, डांग, तापी, राजकोट, अमरेली, भावनगर में भारी से अतिभारी हो सकती है। 26 जुलाई को नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली, बनासकांठा, पाटन, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना है। बता दें कि राज्य में अब तक मौसम की औसत 25.79 प्रतिशत बारिश हुई है। जिसमें 27.09 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 19.28 प्रतिशत, मध्य पूर्व गुजरात में 21.90 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 24.04 प्रतिशत और दक्षिण गुजरात में 31.75 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई है। अब तक उत्तर गुजरात में सबसे कम बारिश हुई ह। मौसम विभाग का अनुमान है कि बंगाल खाडी में सक्रिय हुए लो प्रेशर के कारण 26 जुलाई तक राज्य में भारी से अतिभारी बारिश होगी।

## भगोड़े प्रेमी ने तापी नदी में छलांग लगाई, मिली प्रेमिका का शव,प्रेमी की तलाश जारी

क्रांति समय दैनिक

सूरत,महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के वनिविहिर गांव के प्रेमी सात दिन पहले घर से भाग गए थे. तापी जिले के कुकरमुंडा गांव की सीवन में दो प्रेमियों ने अपनी बाइक तापी नदी के कविता पुल पर डाल दी और नदी में कूद गए.

प्रेमिका का मिला शव और उसकी फाइल फोटो।

दमकल विभाग की जांच में प्रेमिका का शव मिला

## कामराज तालुका में वाव के पास हाईवे पर टेंपो का टायर बदल रहे ड्राइवर को लूटने का प्रयास

क्रांति समय दैनिक

कामरेज के वाव गांव में टेंपो का टायर फट गया। टायर बदलने के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार 3 युवकों ने पैसे की मांग की तो चालक ने पैसे देने से मना कर दिया और उसके पेट में मारा. घायल चालक बूम बूम की बजाय मोटरसाइकिल से भाग रहा था। एक अन्य चालक टॉमी को सड़क के पीछे बैठे एक युवक ने टक्कर मार दी, जिसे राहगीरों ने पकड़ लिया. लोगों से बचने के लिए युवक के पेट में धारदार हथियार था। हालांकि मृतक के करीबी रिश्तेदारों ने हत्या या आत्महत्या का संदेह जताते हुए न्याय की मांग की है.

गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान कामराज के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। कामराज पुलिस स्टेशन के मुताबिक, मुंबई में महाराजा ट्रांसलाइनर नरशी स्ट्रीट छत्रपति शिवाजी टर्मिनल के बगल में स्थित है, जहां 28 वर्षीय सुनील दयाराम निषाद पिछले दो साल से ड्राइवर के रूप में काम कर रहे हैं। वह मूल रूप से मुंबई डोंबिवली से 19-7-2021 को रात 9 बजे अपने टाटा 1108 टेंपो नंबर (MH 04 FP 3105) में उत्तर प्रदेश के बस्तीपुर गांव

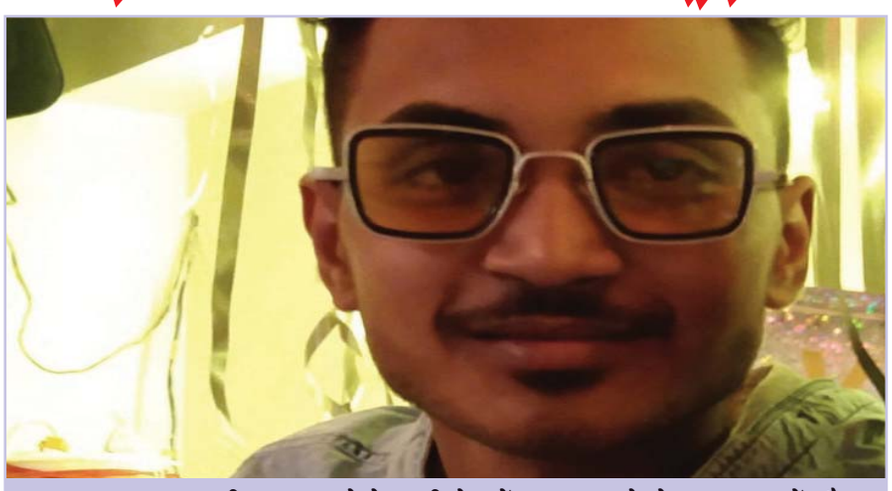
क्रुणाल ( मृतक की फाइल फोटो ) की पेट में चाकू लगने से अस्पताल में मौत

के रहने वाले थे।

अगले दिन वह वापी परिवहन कार्यालय आया और एक और भार लेकर कच्छ-भुज खाली करने जा रहा था। 20-7-2021 को दोपहर 2.00 बजे, वह कडोदरा और कामरेज के बीच वाव गांव के सीम पर जीईबी स्टेशन के सामने से गुजर रहे थे कि एक टायर फट गया और उन्होंने मुंबई परिवहन के मालिक परेशभाई राजगोर को फोन करके सूचित किया। हमारे भारत बेंज ट्रक नंबर (एमएच 42 टी 7302) के चालक शालिकारम गिरधारीलाल यादव (35) आज कच्छ-भुज के लिए रवाना हुए हैं।

वह वापी से तुम्हारी गाड़ी का टायर लेगा, इसलिए सुनील वाव टेंपो में ही रुक गया। 21 जुलाई की शाम 5.30 बजे शादिकारम ट्रक लेकर आया, ट्रक को टम्पा के पीछे खड़ा कर दिया और दोनों टाम्पा के टायर बदल रहे थे। सुबह छह बजे तीन आईएसएमओ मोटरसाइकिल टेंपो के सामने खड़े थे।

पीछे बैठे इस्मा ने शालिकरम से पूछा कि यह ट्रक तुम्हारा है। शालिकारम ने हाँ कहा और दो-तीन बार पैसे की माँग की, लेकिन जब शालिकरम ने भुगतान करने से इनकार कर दिया, तो उसने उसे चप्पू की तरह धारदार हथियार से मारने की धमकी दी, उसकी पैंट की जेब से हाथ निकाला और पैसे ले लिए। लुटेरे इस्मा ने हाथ में चप्पू से शालिकरम के पेट के बाईं ओर वार किया।

## सार-समाचार

### कपड़ा व्यापारी को कुरियर से पिस्तौल-कारतूस भेज मांगी गई तीन करोड़ की फिरौती

सूरत,शहर में फिरौती मांगने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आमतौर पर फोन पर धमकी देकर फिरौती की मांग की जाती है। लेकिन सूरत में कूरियर से पिस्तौल और कारतूस के साथ फिरौती का पत्र भेजा गया है। कुरियर कोई नाबालिग लड़का कपड़ा व्यापारी की दुकान में फैंक नौ दो ग्यारह हो गया। घटना है सूरत के रिंग रोड स्थित शिवशक्तिमार्केट की। सूरत के सिटीलाइट क्षेत्र में रहने वाले लक्ष्मण जैन कई वर्षों से शहर के रिंग रोड स्थित शिवशक्ति मार्केट में कपड़े का व्यापार करते हैं। गुरुवार की दोपहर लक्ष्मण जैन की दुकान में 17 वर्षीय युवक एक कुरियर फैंक कर फरार हो गया। इस प्रकार कुरियर फैंका जाना लक्ष्मण जैन को कुछ अजीब लगा। लक्ष्मण जैन ने जब कुरियर खोला तो हैरान रह गए। कुरियर में पिस्तौल और कारतूस के साथ एक पत्र था। जिसमें तीन करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी। फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। यदि इसकी शिकायत पुलिस से की तो भी जान से मारने की धमकी का उल्लेख पत्र में किया गया था। धमकी से भयभीत लक्ष्मण जैन ने तुरंत सूरत की सलाबतपुरा पुलिस से शिकायत कर दी। शाम को लक्ष्मण जैन को अज्ञात नंबर से जान से मारने की धमकी दी गई। लक्ष्मण जैन की शिकायत मिलने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और मार्केट के सीसीटीवी फूटेज खंगालने लगी। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए कुरियर फैंकने वाले 17 वर्षीय युवक की तलाश शुरूकर दी। साथ ही लक्ष्मण जैन के घर के बाहर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

### गुजरात के शाही परिवार ने खरीदी एक करोड़ से अधिक कीमत की इलेक्ट्रिक लक्जरी कार

कच्छ,पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों की वजह से दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। गुजरात समेत देश में इलेक्ट्रिक वाहन लोग पसंद करने लगे हैं। गुजरात के एक राज परिवार ने एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की इलेक्ट्रिक से चलने वाली लक्जरी कार खरीदी है। कच्छ के शाही परिवार के महाराव प्रागमलजी तृतीय ने जर्मनी की कार निर्माता कंपनी मिर्सिडीज बेंज को इलेक्ट्रिक से चलने वाली लक्जरी कार का ऑर्डर दिया था। जर्मनी से यह कार गुजरात के कच्छ आ चुकी है। इस कार में प्रत्येक सीट में पर्सनल मसाज फीचर्स हैं। सुरक्षा के लिहाज से कार में 7 एयरबेग की व्यवस्था है। इलेक्ट्रिक कार के अंदर 64 कलर की इंटीरियर लाइटिंग लगाई जा सकती है। फीचर्स में एक्टिव ब्रेक असिस्ट और ब्लाइंड स्पॉट असिस्ट शामिल हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### ब्राह्मण, दलितों ने हाथ मिलाया तो यूपी में जीतेगी बसपा

**अयोध्या।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद सतीश चंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में ब्राह्मणों को सत्ता का गणित समझाते हुए कहा कि बसपा के शासन में राम मंदिर बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा, अगर 13 फीसदी ब्राह्मण 23 फीसदी दलितों के साथ हाथ मिलाते हैं, तो बसपा को सत्ता में आने से कोई रोक नहीं सकता है। पिछले दस वर्षों से, ब्राह्मणों को उनके सम्मान से वंचित किया गया है। बसपा शासन में, उन्हें सम्मान दिया गया था और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी अच्छी थी। उन्होंने बिकरू की विधवा खुशी दुबे का उदाहरण दिया, जो एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और कहा कि उनकी पार्टी उनकी हर संभव मदद करेगी। मिश्रा ने स्पष्ट किया कि बसपा किसी अन्य दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी और अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि भगवान राम सबके हैं। उन्होंने कहा, भाजपा संकीर्ण सोच वाली पार्टी है और ऐसे व्यवहार करती है, जैसे राम पर उसका कॉपीराइट है। कार्यक्रम को संबोधित करने से पहले मिश्रा ने राम जन्मभूमि मंदिर और हनुमान गढ़ी में पूजा-अर्चना की।

### असम में पहले चरण में केवल गुवाहाटी में होगी शराब की ऑनलाइन बिक्री

गुवाहाटी। असम में पहले चरण में केवल गुवाहाटी नगर निगम क्षेत्र में शराब की ऑनलाइन बिक्री होगी। धीरे-धीरे राज्य के अन्य क्षेत्रों में इसकी शुरुआत की जाएगी। आबकारी विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, कोविड महामारी के चलते सरकार द्वारा लागू पाबंदियों और उच्चतम न्यायालय व मद्रास उच्च न्यायालय के आदेशों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है, जिनमें कहा गया है कि भीड़ लगने से रोकने और भौतिक दूरी के नियम का पालन सुनिश्चित करने के लिये शराब की अप्रत्यक्ष रूप से बिक्री की जाए, जिनमें ऑनलाइन बिक्री भी शामिल है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि गुवाहाटी नगर निगम क्षेत्रों में देसी तथा विदेशी शराब और बीयर की ऑनलाइन बिक्री तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में पहले ही शराब की ऑनलाइन बिक्री व होम डिलिवरी शुरू की जा चुकी है।

### कोविड टीकाकरण पूरा करने के लिए फिलहाल कोई निश्चित समय-सीमा नहीं दी जा सकती : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि टीकाकरण अभियान को पूरा करने के लिए फिलहाल कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई जा सकती है। सरकार ने कहा कि उम्मीद है कि दिसंबर 2021 तक 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लाभार्थियों का टीकाकरण हो जाएगा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और लोकसभा सांसद माला रॉय के अतारांकित प्रश्न के जवाब में कहा, कोविड-19 टीकाकरण एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, जिसे समवर्ती वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर कोविड-19 के लिए वैक्सीन प्रशासन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी की गतिशील और विकसित प्रकृति को देखते हुए टीकाकरण अभियान को पूरा करने के लिए वर्तमान में कोई निश्चित समय-सीमा का संकेत नहीं दिया जा सकता है। पवार ने कहा, हालांकि, उम्मीद है कि दिसंबर 2021 तक 18 साल और उससे अधिक उम्र के लाभार्थियों का टीकाकरण कर दिया जाएगा। राहुल गांधी के एक अन्य सवाल के जवाब में पवार ने कहा, अगस्त से दिसंबर 2021 के बीच कोविड-19 वैक्सीन की कुल 135 करोड़ खुराक उपलब्ध होने की उम्मीद है।

### सदन में हो रहे घटनाक्रम से बहुत व्यथित हूं: वेंकैया नायडू

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्यसभा की घटनाओं से बहुत व्यथित हैं। उनके मुताबिक कागज छीनना और फाड़ना लोकतंत्र पर एक स्पष्ट हमला है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नायडू ने कहा, मैं सदन में होने वाली घटनाओं से बहुत व्यथित हूं। दुर्भाग्य से सदन की कार्यवाही एक नए निचले स्तर पर पहुंच गई और कागजात छीन लिए गए। इस तरह की कार्रवाई हमारे संसदीय लोकतंत्र पर एक स्पष्ट हमला है। वह गुरुवार की घटना पर टिप्पणी कर रहे थे, जब आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव पेगासस जासूसी विवाद पर एक बयान पढ़ रहे थे और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने उनके हाथों से रिपोर्ट छीन ली और राज्यसभा के पटल पर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। पत्रकार से सांसद बने स्वप्न दासगुप्ता ने कहा, टीएमसी के कुछ सांसदों ने मंत्री के हाथ से कागज लिया और उसे फाड़ दिया। यह अस्वीकार्य है।

### योगी की जनसंख्या नीति पर ईसाइयों ने जताई आपत्ति

लखनऊ। यूपी में योगी आदित्यनाथ की जनसंख्या नीति पर बहस को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ में ईसाई समुदाय ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। लखनऊ के सूबा के बिशप, फादर गेराल्ड जे मथियास ने कहा कि ईसाई समुदाय को प्रस्तावित जनसंख्या नीति के बारे में कड़ा विरोध था। उन्होंने कहा, विशेषज्ञों ने साबित कर दिया है कि तथाकथित जनसंख्या विस्फोट एक मिथक है और यह सच नहीं है कि हमारे पास जनसंख्या को बनाए रखने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं हैं। विवाह और परिवार नियोजन पर सरकार के बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ये पवित्र संस्थाएं हैं, जिनका सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, परिवार नियोजन, दूरी और बच्चों की संख्या के बारे में निर्णय एक विवाहित जोड़े के व्यक्तिगत विशेषाधिकार और अधिकार हैं। बच्चों की संख्या में कमी लाने के लिए कोई भी बल या जबरदस्ती लोगों पंथ के खिलाफ है। देने का कोई भी प्रयास प्रोत्साहन, विशेष रूप से प्रोत्साहन, जैसे कि गैर-सरकारी नौकरी, कोई पदोन्नति नहीं, कोई सब्सिडी नहीं, राशन कार्ड इकाइयों में कमी, चुनाव लड़ने पर रोक, व्यक्ति के साथ जबरदस्ती और डराने-धमकाने के समान है।

# हरियाणा, हिमाचल, जम्मू, कर्नाटक, हैदराबाद समेत 12 केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिले नए कुलपति

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

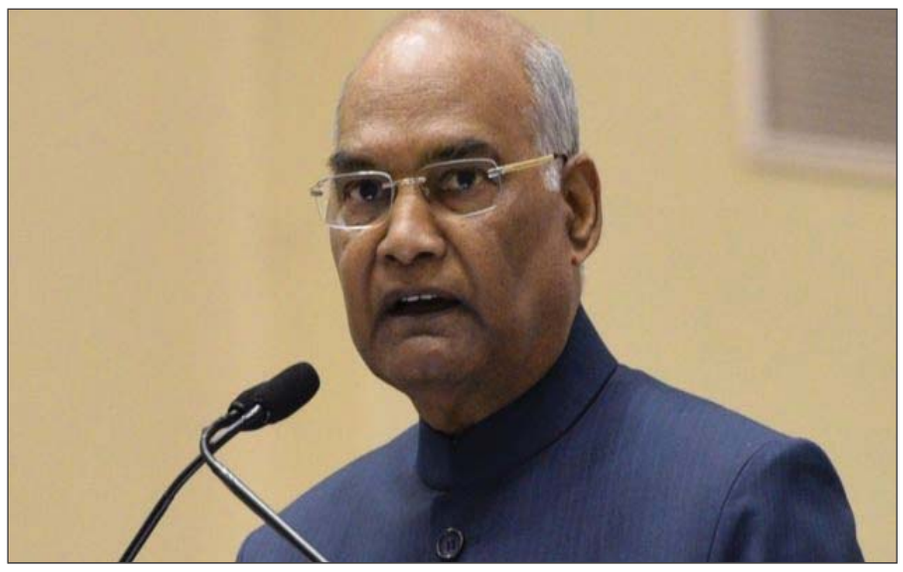

भारत के राष्ट्रपति, राम नाथ कोविंद ने 12 विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। भारत के राष्ट्रपति, राम नाथ कोविंद, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विजिटर हैं। उनके आदेश से ही विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की जाती है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, 12 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को राष्ट्रपति ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। शिक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति ने 12 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए वीसी की नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है, इनमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, झारखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु और हैदराबाद के केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हैं।

इनके अलावा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार (गया), मणिपुर यूनिवर्सिटी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी और गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी, बिलासपुर विश्वविद्यालयों में भी नए कुलपति की नियुक्ति को मंजूरी दी है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेश्वर कुमार होंगे। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल होंगे। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ. संजीव जैन, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर क्षिति भूषण दास होंगे। वहीं कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण हैं। तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर मुथुकलिंगन कृष्णन, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ. बसुथकर जे राव हैं। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह बनाए गए हैं। नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के नए कुलपति प्रोफेसर प्रभा शंकर शुक्ला बनाए गए हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ आलोक कुमार चक्रवर्ती हैं। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर सैयद ऐनुल हसन और मणिपुर विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर एन लोकेंद्र सिंह होंगे।

# राहुल गांधी को जासूसी का संदेह हो तो जांच के लिए दें अपना फोन : राठौर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा है कि देश मे किसी की इलीगल फोन टैपिंग नहीं हो रही है, यदि राहुल गांधी को कोई शक है तो अपना फोन दे सकते हैं, एजेंसी उसकी जांच कर सत्यता बता देगी।

पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिये पत्रकारों, नेताओं और अफसरों की जासूसी के सरकार पर लगे आरोपों को राज्यवर्धन सिंह राठौर ने खारिज किया। उन्होंने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि देश में कहीं भी किसी का अवैध रूप से फोन टैप नहीं किया जा रहा है। राठौर ने कहा, जो देश का कानून है, उसी अनुरूप कार्य हो रहा है। देश की कोई एजेंसी किसी भी व्यक्ति का अवैध रूप से फोन टैप नहीं कर रही है। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि अगर किसी भी व्यक्ति को फोन टैप होने का संदेह हो तो वह अपना फोन दे। सबंधित एजेंसी उसकी जांच करेगी और अगर कोई व्यक्ति गलत कार्य करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ आईपीसी के तहत कार्रवाई होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, मैं इतना कहना चाहूंगा कि अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना फोन कब देंगे, ताकि उसके ऊपर इन्वेस्टीगेशन हो सके। बता दें को 19 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले पेगासस मीडिया प्रोजेक्ट नामक कथित खुलासा हुआ था, जिसमें देश के प्रभावशाली व्यक्तियों की जासूसी का दावा किया गया। हलांकि सदन में बोलते हुए आईटी मंत्री ने इन आरोपों को खारिज किया था। बावजूद इसके इस मुद्दे को लेकर पिछले चार दिनों से सदन में हंगामा हो रहा है।

# 'नकद के बदले नौकरी' घोटाले के आरोपी एपीएससी के पूर्व अध्यक्ष को मिली जमानत

**गुवाहाटी। (एजेंसी)।**

करोड़ों रुपये के 'नकद के बदले नौकरी' घोटाले में आरोपी और जेल में बंद असम लोकसेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश पॉल को बृहस्पतिवार को यहां की विशेष अदालत ने जमानत दे दी। विशेष अदालत के न्यायाधीश दीपक ठाकुरिया ने पॉल को जमानत दी। उन्हें शॉन कुमार वैश्य द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर वर्ष 2016 में राज्य सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। वैश्य ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन अध्यक्ष ने प्रशासनिक सेवा की नौकरी देने के एवज में 10 लाख रुपये की मांग की थी।

पॉल को उनके खिलाफ दर्ज चार में से तीन मामलों में जमानत मिल गई है, लेकिन उन्हें चौथे मामले में जमानत मिलने तक जेल में ही रहना होगा। चौथा मामला भांगगढ़ पुलिस थाने में कथित रूप से रिश्वत लेने के आरोप में दर्ज किया गया है। न्यायाधीश ने जमानत देने के साथ नियमित तौर पर सुनवाई में शामिल होने, कामरूप महानगर क्षेत्र को बिना लिखित अनुमति के नहीं छोड़ने और अदालत के समक्ष पासपोर्ट जमा करने की शर्त भी लगाई है।

गौरतलब है कि पॉल को वर्ष 2013 में एपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था , लेकिन वर्ष 2016 में कथित तौर पर घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि राज्य प्रशासनिक सेवा में शामिल होने वाले कई उम्मीदवारों को कथित तौर पर नकद रिश्वत देने के बदले नौकरी मिली। वर्ष 2016 में घोटाले के सामने आने के बाद से अबतक नए भर्ती करीब 70 अधिकारियों को मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

# नवजोत के साथ रिश्तों पर बोले कैप्टन, जब सिद्धू पैदा हुए थे तब मैं बॉर्डर पर तैनात था

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस की कमान संभाल ली है। तमाम उतार-चढ़ाव और राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धू को पीसीसी की कमान सौंपा। आज जब सिद्धू ने कांग्रेस की कमान संभाली तो वह आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे थे। जब उन्हें भाषण के लिए बुलाया गया तो उन्होंने पहले भगवान को याद किया। फिर क्रिकेट शॉट मारने का एक्शन किया। लेकिन आज भी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और सिद्धू के बीच के रिश्ते को लेकर चर्चा गर्म है। भले ही कैप्टन अमरिंदर सिंह और सिद्धू एक साथ नजर आए हो लेकिन तल्खियां कम नहीं हुई है।

इस बात का अंदाजा तब लगा जब एक बार फिर से सिद्धू के साथ अपने रिश्ते पर बोलते हुए अमरिंदर ने बड़ा बयान दे दिया। कैप्टन अमरिंदर ने भाषण देते हुए कहा कि सिद्धू का जब जन्म हुआ था तो मैं सेना में सेवा दे रहा था। सिद्धू के पिता पटियाला कांग्रेस के प्रधान रहे और वही मुझे राजनीति में लेकर आए थे। सोनिया गांधी ने जब कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष होंगे और आप लोगों को साथ काम करना होगा तो मैंने उन्हें कह दिया था कि आपका जो फैसला होगा उसे हम मंजूर करेंगे। खबरें ये भी हैं कि आज प्रधान बनते ही सिद्धू ने कैप्टन को देखकर नजरें फेर ली थी। लेकिन पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने सिद्धू का आवाज देकर वापस बुलाया और कैप्टन से मुलाकात करवाई।

आपको बता दें कि सिद्धू ने कांग्रेस की कमान संभालने के बाद कहा कि कार्यकर्ता से ही पार्टी होती है। हम कार्यकर्ताओं की आवाज सुनेंगे। उन्होंने कहा कि बिजली महंगी क्यों खरीदी जा रही है? क्यों चोरों की चोरी पकड़ी ना जाए? उन्होंने कहा कि मैं सबको साथ लेकर चलना चाहता हूं। मेरी चमड़ी मोटी है और मेरा मिशन भी एक है। इस मौके पर सिद्धू ने कहा कि हालात के आगे सिकंदर कभी नहीं झुकता। बिना कार्यकर्ता के पार्टी नहीं होती है। लोगों के हक के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे। सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखता हूं।

# जनसंख्या नियंत्रण और गायों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाए: भाजपा विधायक

**अगरतला। (एजेंसी)।**

त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुधांगशु दास ने शुक्रवार को जनसंख्या नियंत्रण और गायों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की। फतिक्रॉय विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दास ने कहा कि वह राष्ट्रहित में जनसंख्या नियंत्रण और गायों की सुरक्षा का मुद्दा आगामी विधानसभा सत्र में उठाएंगे। दास ने कहा, '' असम और उत्तर प्रदेश सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण और गायों की सुरक्षा को लेकर कानून बनाने के लिए कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि इन दो मांगों को केवल त्रिपुरा या अन्य दो-तीन राज्यों में नहीं बल्कि राष्ट्रहित में पूरे देश में क्रियान्वित किया जाना चाहिए। मैं अगले विधानसभा सत्र में यह मामला उठाऊंगा। ''

दास ने कहा कि देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, और जब तक सरकारों के पास इससे निपटने के लिए कानूनी ढांचा नहीं होगा, तब तक गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जिनके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव होंगे। उन्होंने कहा, '' जनसंख्या का इतना बढ़ना देश के लिए एक खतरा है। इससे निपटने के लिए कानून की जरूरत है। आज, भारत एक गंभीर जनसंख्या उछाल की ओर बढ़ रहा है लेकिन संसाधन सीमित ही हैं। हम अपने भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित हैं। इसलिए, सभी राज्य सरकारों को उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कानून बनाना चाहिए जो परिवार नियोजन का सहारा ले रहे हैं और मुद्दों पर मार्गदर्शन के लिए सरकारी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।''

दास ने कहा कि गायों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की भी जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बहुसंख्यक लोगों की भावनाएं आहत न हों। उन्होंने कहा, '' हिंदू समाज में गायों को पवित्र जानवर के रूप में पूजा जाता है। यदि बहुसंख्यक बहुल क्षेत्र में किसी अन्य धर्म के लोग गाय का वध करते हैं तो यह बहुसंख्यक लोगों के सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध है। इसे रोका जाना चाहिए और इसलिए मैं राज्य विधानसभा के अगले सत्र में गोरक्षा पर एक निजी सदस्य संकल्प लाने की योजना बना रहा हूं।

# बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंचने में हो रही दिक्कत ! मुख्यमंत्री ने लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का दिया आदेश

**मुंबई। (एजेंसी)।**

महाराष्ट्र के तटीय रायगढ़ जिले में एक गांव के नजदीक भूस्खलन की वजह से दिल दुखाने वाली खबर सामने आई। आपको बता दें कि भूस्खलन की वजह से 35 लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। इसी बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भारी बारिश की वजह से हुए भूस्खलन के चलते हुई मौतों पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के तलाई गांव में भूस्खलन से करीब 35 लोगों की मौत हुई है। कई जगहों पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मैंने उन लोगों को निकालने और उन्हें दूसरी जगह ले जाने का आदेश दिया है जो उन क्षेत्रों में रह रहे हैं जहां भूस्खलन की संभावना है। उन्होंने बताया कि सड़क और पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह से एनडीआरएफ और अन्य बचाव दल को चिपलून में बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बता दें कि राहत एवं बचाव कार्य में जुटी टीम ने 15 लोगों को सुरक्षित निकाला है। जबकि 40 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लगातार हो रही बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री विजय वडेट्टीवार ने बताया कि बीते दिन मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से बात की थी और उन्होंने हरमुमकिन मदद का आश्वासन दिया था। वडेट्टीवार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने हर तरह की मदद भेजी है। एनडीआरएफ, नेवी, कोस्ट गार्ड और मिलिट्री के माध्यम से बचाव कार्य चल रहा है। कुछ जगहों पर रेड अलर्ट की स्थिति पैदा हुई है।

# भाजपा की सरकारों ने अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए बेहतरीन कार्य किए: सुरेश कश्यप

**शिमला। (एजेंसी)।**

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए बेहतरीन कार्य किए हैं जिसकी बदौलत 2017 के विधान सभा चुनावों में भाजपा ने प्रदेश की 17 आरक्षित सीटों में से 13 सीटों पर जीत हासिल की थी। उन्होनें कहा कि आगामी 2022 के विधान सभा चुनावो में भाजपा प्रदेश की सभी 17 आरक्षित सीटों के साथ पिछली बार से अधिक सीटें जीतकर एक बार पुनः प्रदेश में सरकार बनाएगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा 2014 से लगातार चुनावो में अपना विजय परचम लहरा रही है। चाहे लोकसभा चुनाव हो, विधान सभा चुनाव हो, उप-चुनाव हो या पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव सभी में पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होनें कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का सबसे अधिक लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को मिला है। चाहे आयुष्मान भारत योजना हो, हिमकेयर योजना, उज्जवला योजना, गृहणी सुविधा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को मिला है क्योंकि अधिकतर लोग जो गरीब हैं, अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित हैं और ऐसे में केन्द्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का भरपूर लाभ इस वर्ग के लोगों को मिल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्रीय मंत्रीमण्डल में जो विस्तार किया गया है उसमें 12 अनुसूचित जाति, 8 अनुसूचित जनजाति तथा 11 महिलाओं को मंत्री बनाया गया है जिससे साबित होता है कि केन्द्र की मोदी सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर कार्य कर रही है। उन्होनें स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि आज प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनका एक वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया है और पहली बार किसी अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्ति को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है जोकि केवल भाजपा में ही संभव है। इसके लिए उन्होनें राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, अमित शाह, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। सुरेश कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है और इस वर्ग के लिए कोई कार्य नहीं किया। केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने इस वर्ग की चिंता की है तथा इस वर्ग के समुचित उत्थान के लिए कार्य भी किए हैं। उन्होनें कहा कि केवल भारतीय जनता पार्टी ही अनुसूचित जाति वर्ग की सच्ची हितैषी है। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ता संकल्पित है और जब तक 2022 में भाजपा की सरकार एक बार फिर नहीं बन जाती तब तक अनुसूचित जाति वर्ग का कोई भी कार्यकर्ता चयन से नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले चारों उपचुनावों में अनुसूचित जाति वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहने वाला है और भाजपा इन चारों सीटों पर बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)